हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 175 बेमेतरा, रविवार 15 फरवरी 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

इंडिगो की रायपुर-भोपाल फ्लाइट रद्द

रायपुर। इंडिगो की रायपुर-भोपाल फ्लाइट को तकनीकी खराबी के कारण रदद कर दी गई है। बताया गया कि कुछ फ्लाइट रदद की गई है। सूत्रों के मुताबिक़ हार्ड लैंडिंग की वजह से पूरे विमान की जांच की जा रही है। इस बारे में अभी कोई अधिकृत बयान नहीं आया है। 4.40 बजे रायपुर आए इंडिगो विमान की हार्डलेडिंग करवाई गई है। पायलट ने विमान की लैंडिंग की कोशिश की लेकिन पहली बार में विमान लैंड नहीं हो पाया। हवा में चक्कर लगाने के बाद विमान फिर लौटा और दूसरी बार में हार्ड लैंडिंग हुई। लैंड करते समय यात्रियों को जोरदार झटका महसूस हुआ। हार्ड लैंडिंग की वजह से विमान रायपुर में ही ग्राउंड कर लिया गया है और भोपाल वापसी रदद कर दी गई है।

उर्वरकों की कीमत बढ़ाना मोदी सरकार का किसान विरोधी निर्णय : दीपक बैज

रायपुर। खेती में उपयोग किये जाने वाले जरूरी उर्वरको एनपीके और पोटाश की कीमते बढ़ाये जाने के केन्द्र के निर्णय का कांग्रेस ने विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि एक तरफ सरकार विगत दो वर्षो से धान के एमएसपी में वृद्धि का लाभ किसानों को नहीं दे रही है, तो वहीं दूसरी ओर खाद की कीमतों में लगातार वृद्धि कर रही है। एनपीके की कीमत 1,720 रुपए प्रति बोरी से बढ़ाकर 1,900 रुपए और पोटाश की कीमत 1,500 से बढ़ाकर 1,800 रुपए प्रति बोरी कर दिया गया है।

बिरला ने महाशिवरात्रि पर दी देशवासियों को शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने महाशिवरात्रि पर्व की पूर्व संध्या पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। बिरला ने रविवार को मनाई जा रही महाशिवरात्रि की पूर्व संध्या पर अपने संदेश में कहा कि हमारी सभ्यता और संस्कृति के पावन पर्व महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं। उन्होंने अपने संदेश में लिखा यह आस्था, साधना और आत्मचिंतन का पर्व है। महाशिवरात्रि हमें भगवान शिव की अनंत करुणा, त्याग, संयम और संकल्प शक्ति का स्मरण कराती है।

सड़क हादसे में 201 कोबरा बटालियन के 4 जवानों की मृत्यु

ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, कार में सवार 4 सीआरपीएफ जवानों की मौत, एक की हालत गंभीर

धमतरी। शनिवार की सुबह जिले में एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा तब हुआ जब तेज रफ्तार ट्रक ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।

जानकारी के मुताबिक, कार में सवार सभी पांच जवान सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के थे । वे रायपुर की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान धमतरी मार्ग पर पीछे से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चार जवानों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि

एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल जवान को तुरंत स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। ट्रक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इधर प्रारंभिक जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा चालक की लापरवाही से हुआ या वाहन में किसी तकनीकी खराबी के कारण। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा के प्रति लापरवाही के गंभीर परिणामों की याद दिलाता है।

धमतरी सड़क दुर्घटना में कोबरा बटालियन के जवानों के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के वीर जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की

नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय हुए शामिल

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जशपुर प्रवास के दौरान दुलदुला विकास खंड के ग्राम सिरीमकेला स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के पावन प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर देवाधिदेव महादेव से समस्त छत्तीसगढ़वासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की मंगलकामना की। महाशिवरात्रि के पावन पर्व के एक दिन पूर्व आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन को उन्होंने श्रद्धा, आस्था और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री साय ने ग्राम सिरीमकेला में सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इससे स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए सुदृढ़ आधार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अपने

संबोधन में कहा कि कल हम सब महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएंगे और इस अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि सिरीमकेला में भक्तों और अपने परिवारजनों के बीच आकर उन्हें आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है। भक्ति और श्रद्धा के इस अनूठे आयोजन में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सनातन परंपरा को पुनर्स्थापित करते हुए अयोध्या धाम दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं को धार्मिक यात्राएँ करा रही है।

श्रवण कुमार के पदचिन्हों पर चलने का प्रयास करते हुए अब तक प्रदेश के 42 हजार से अधिक तीर्थ यात्रियों को श्रीरामलला के दर्शन कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अयोध्या धाम में श्री रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर ध्वज लहरा रहा है। प्रत्येक राम भक्त की आस्था 500 वर्षों तक प्रज्वलित रही, यह एक ऐसा यज्ञ था जिसकी लौ कभी नहीं डगमगाई। हम सब निमित्त मात्र हैं, जो अपने भांचा राम के दर्शन उनके भव्य मंदिर में कर रहे हैं और श्रद्धालुओं को करा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नीलकंठेश्वर महादेव का दर्शन पाकर वे स्वयं को अत्यंत सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। दशहरा पर्व के दिन नीलकंठ के दर्शन को अत्यंत शुभ माना जाता है और आज प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत यहाँ निरंतर दर्शन लाभ मिलना हम सबके लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि जशपुर में मधेश्वर महादेव स्थित हैं, जिसे लोक मान्यता के अनुसार एशिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक शिवलिंग कहा जाता है। सनातन परंपरा में भक्ति का विशेष महत्व है और राज्य सरकार भक्तों का सम्मान करती है। सावन माह में भोरमदेव मंदिर में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर हर वर्ष आस्था प्रकट की जाती है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रयाग कहे जाने वाले राजिम त्रिवेणी संगम में इन दिनों राजिम कुंभ कल्प का भव्य आयोजन हो रहा है।

इमरान ने रिहाई की गुहार लगायी, आंखों की गिरती रोशनी का दिया हवाला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री एवं पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता इमरान खान ने उपहार की कथित हेराफेरी से जुड़े मामले में सजा को निलंबित करने तथा मेडिकल और मानवीय आधार पर जमानत पर रिहा करने की मांग को लेकर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में अर्जी दी। खान की याचिका उनकी दाहिनी आंख की लगभग 85 प्रतिशत रोशनी खोने और दृष्टिहीनता की रिपोर्टों के बीच आयी है। पूर्व प्रधानमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ता एवं बैरिस्टर सलमान सफदर और सलमान अकरम रजा के माध्यम से एक विविध आवेदन दायर किया है, जिसमें उनकी सजा को तत्काल निलंबित करने और उनकी जमानत की याचिका मंजूर करने की मांग की गयी है।

द न्यूज़ इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को तोशखाना-2 मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों में 17 साल जेल की सजा सुनायी गयी थी। इसमें कीमती सरकारी सामान की कम कीमत पर खरीद-फरोख्त का आरोप था। इसके अलावा, एक अलग एप्लीकेशन भी दी गई है जिसमें हाई-प्रोफाइल अल-कादिर ट्रस्ट केस या 19 करोड़ ब्रिटिश पाउंड (करीब 23 अरब 48 करोड़ रुपये) के घोटाले में सजा निलंबित करने की मांग वाली अर्जी पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया गया है। विविध आवेदन में कहा गया है कि याचिकाकर्ता इमरान दाहिनी आंख की गंभीर बीमारी से पीड़ित है।

जनसभा को संबोधित करते हुये गांधी पर ये आरोप लगाये

कराईकल की जनसभा में अमित शाह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

कराईकल (पुडुचेरी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन पर हर रोज झूठ बोलने की परंपरा शुरू करने और देश के किसानों और मछुआरों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने पुडुचेरी के कराईकल में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये गांधी पर ये आरोप लगाये। शाह ने 2019 के पुलवामा हमले की बरसी पर शहीद हुए 40 सीआरपीएफ जवानों को श्रद्धांजलि

अर्पित करते हुए कहा कि देश उनकी वीरता को कभी नहीं भूलेगा। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूरोपीय संघ (ईयू) और इंग्लैंड के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते (ट्रेड डील) से भारत के मछुआरों को सबसे अधिक लाभ होगा। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से गांधी को जवाब देना चाहता हूं।

अमेरिका के साथ समझौता कपास किसान, कपड़ा निर्यातक दोनों पर गहरी चोट : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर मोदी

सरकार कपास उत्पादक किसान और कपड़ा निर्यातक दोनों को गहरा झटका दिया है। गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 18 प्रतिशत टैरिफ बनाम जीरो प्रतिशत-आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इस पर भ्रम फैला रहे हैं और किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, बंगलादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर शून्य प्रतिशत टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है - शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बंगलादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया -'अगर यही फायदा हमें भी चाहिए तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।'

शपथ ग्रहण समारोह 17 फरवरी तक

बंगलादेश की नयी कैबिनेट 18 फरवरी तक शपथ लेगी : कैबिनेट सचिव

ढाका। बंगलादेश के कैबिनेट सचिव डॉ. शेख अब्दुर रशीद ने घोषणा की कि देश की नयी कैबिनेट 18 फरवरी तक शपथ ले लेगी। डॉ. रशीद ने सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में यह जानकारी दी। संवैधानिक और कानूनी अनिवार्यताओं का स्पष्ट करते हुए उन्होंने बताया कि कानून के अनुसार, नवनिर्वाचित सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह 17 फरवरी तक हर हाल में पूरा

किया जाना अनिवार्य है। सांसदों के शपथ लेने के तुरंत बाद नयी सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि 18 फरवरी तक नयी कैबिनेट का शपथ ग्रहण संपन्न हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि नयी सरकार के गठन को लेकर प्रशासन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई हैं। सांसदों के शपथ ग्रहण के बाद सरकार गठन में कोई देरी नहीं की जाएगी और इसे जल्द से जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने भारी बहुमत हासिल किया है। अब कैबिनेट सचिव के इस बयान के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि अगले चार दिनों के भीतर बंगलादेश में नयी सत्ता का औपचारिक आगाज़ हो जाएगा।

मॉ भारती की शक्ति को आप ने ऑपरेशन सिंदूर में भी देखा

असम में पीएम मोदी- कांग्रेस भारत को एक राष्ट्र मानने से इनकार करती है, उससे राष्ट्र के भले की उम्मीद नहीं

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी को भारत का बुरा चाहने वाली और आतंकी सोच रखने वालों के साथ चलने वाली पार्टी बताते हुए उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि यह भारत को एक राष्ट्र मानने से इनकार करती है, इससे राष्ट्र के भले की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जो पार्टी देश को एक राष्ट्र मानने से परहेज करे, माँ भारती के प्रति सम्मान न दिखाए वह देश का भला नहीं कर सकती।

वह विधानसभा चुनावों के मूड में चल रहे असम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विपक्षी दल पर असम में केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति करते तथा विकास और शांति की उपेक्षा करने के भी आरोप लगाये। प्रधानमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं को इस अवसर पर पुलवामा (कश्मीर) आतंकवादी हमले की बरसी की याद दिलाते हुए उस हमले में जान गंवाने वाले जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि पुलवामा के बाद भारत ने जिस तरह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की उसे दुनिया ने देखा है। कुछ लोग भारत की कार्रवाई से आज भी कांप रहे हैं। मॉ भारती की शक्ति को आप ने ऑपरेशन सिंदूर में भी देखा। प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में राष्ट्र और आतंकवाद के प्रति कांग्रेस की कथित कमजोरियों का जिक्र किया और सवाल किया, 'क्या कांग्रेस में देश हित के लिए इस तरह के फैसले करने की ताकत है?' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसे मौकों पर ज्यादा से ज्यादा एक बयान दे सकती है।' मोदी ने कहा, ' जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो...जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मॉ भारती के प्रति जरा सा सम्मान नहीं दिखाते... वह कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी, उसके समय में पूरा पूर्वोत्तर डर और

असुरक्षा में जीता रहा। कांग्रेस ने सुरक्षा के लिए कुछ खरीदा तो , उसमें भी घोटाले किये गये। प्रधानमंत्री ने सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा और विकास की दृष्टि से सड़कों , सुरंगों हवाई पट्टियों और अन्य सुविधाओं के विकास के लिए अपनी सरकार की प्राथमिकताओं का उल्लेख किया और कहा कि भारत सीमाओं की सुरक्षा बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा , 'यह सब देख कर कांग्रेस बौखलाई हुई है, उसे लगता है मोदी यह सब कैसे कर लेता है। उसे रात में नींद नहीं आती और वह दिन में कुछ भी बोले जा रही है।

आज कांग्रेस हर उस विचारधारा के साथ है जो भारत का बुरा चाहते हैं , जो भारत को टुकड़े टुकड़े करने का नारा लगाते हैं, जो पूर्वोत्तर को भारत से अलग करना चाहते हैं, उन्हें कांग्रेस अपने कंधे पर पर बिठाती है।' मोदी ने कहा, ' कांग्रेस एमएमसी (माओवादी मुस्लिम लीग) बन गयी है।' उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को यह संदेश असम की जनता (मतदाताओं) तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मंत्रिमंडल ने नॉर्थ ब्लॉक, साउथ ब्लॉक से 'सेवा तीर्थ' तथा 'कर्तव्य भवनों' में स्थानांतरण प्रस्ताव को दी स्वीकृति

नयी दिल्ली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने नार्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक से प्रधानमंत्री कार्यालय को 'सेवातीर्थ' तथा 'कर्तव्य भवनों' में स्थानान्तरण को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह मंजूरी दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि नये प्रधानमंत्री कार्यालय का नामकरण 'सेवातीर्थ' किया गया है। मोदी ने को इसे राष्ट्र को समर्पित किया था। साउथ और नार्थ ब्लॉक का निर्माण अंग्रेजों ने भारत को गुलामी की बेड़ियों में जकड़े रहने के लिए किया था। वर्ष 1947 में भारत को गुलामी से तो मुक्ति मिली, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इन भवनों से ही अपने कार्यों का निष्पादन किया। प्रधानमंत्री कार्यालय भी साउथ ब्लॉक के इस भवन से कार्य करता रहा है।

इंजराम में पुलवामा शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

इंजराम/मूक पत्रिका

बीते शनिवार को मुख्यालय 219 बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) इंजराम में पुलवामा हमले की सातवीं बरसी पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। वर्ष 2019 में आज ही के दिन हुए पुलवामा हमला में शहीद हुए 40 वीर जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम का नेतृत्व कर्मवीर सिंह यादव, द्वितीय कमान अधिकारी (कमांडेंट-ए.ओ.एल) 219 बटालियन ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीदों के नाम अंकित शिलाखंड पर पुष्पचक्र अर्पित किए। बल के जवानों ने 'शोक शस्त्र' की मुद्रा में खड़े होकर अपने शहीद साथियों को सम्मान दिया तथा दो मिनट का मौन धारण किया।सभी रैंक के अधिकारियों एवं जवानों ने आतंकवाद के खात्मे और देश की आंतरिक सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने की शपथ ली। अपने संदेश में कमांडेंट-ए.ओ.एल ने कहा कि पुलवामा के शहीदों का बलिदान सीआरपीएफ के गौरवशाली इतिहास का अभिन्न अंग है। उनकी वीरता राष्ट्र की सुरक्षा की वास्तविक कीमत का स्मरण कराती है। उन्होंने कहा कि बल न केवल शहीदों को नमन करता है, बल्कि उनके परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराता है।उन्होंने यह भी कहा कि 14 फरवरी केवल एक दुखद दिन नहीं, बल्कि जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। 'सेवा और निष्ठा' के अपने आदर्श वाक्य पर चलते हुए सीआरपीएफ देश की अखंडता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है। समारोह में अनुराग राज (द्वितीय कमान अधिकारी), कानाराम चौधरी (सहायक कमांडेंट), डॉ. मोहम्मद इब्राहिम (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी) सहित अधीनस्थ अधिकारीगण एवं सभी कार्मिक उपस्थित रहे।

सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्रामीणों को राहत सामग्री वितरण, नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित

सुकमा/मूक पत्रिका

अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र सुकमा जिले के ग्राम बड़सेठी में सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत 159 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा जनहितकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस उप महानिरीक्षक (ऑप्स) रेंज सुकमा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कंबल, साड़ी, लुंगी, गमछा, बर्तन, बाल्टी, पानी संग्रह टंकी, फावड़ा, खेल सामग्री (गेंद, बैट-बॉल, क्रिकेट किट, फुटबॉल, वॉलीबॉल) सहित दैनिक उपयोग की विभिन्न आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। इसके साथ ही ग्रामीणों की सुविधा के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन कर स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा जरूरतमंदों को मुफ्त दवाइयां प्रदान की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 159 बटालियन के कमांडेंट कुमार मयंक ने कहा कि सिविक एक्शन प्रोग्राम का उद्देश्य ग्रामीणों में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा ग्रामीणों और प्रशासन के बीच आपसी विश्वास को मजबूत करना है। उन्होंने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता के लिए ग्रामीणों का आभार व्यक्त किया।इस आयोजन से लगभग 400 से 450 ग्रामीण लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में एसीपी मोहन लाल निषाद, थाना प्रभारी फूलबाड़ी, सरपंच बड़सेठी, सहायक कमांडेंट तुलसी दास, सहायक कमांडेंट नीरज कुमार सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ. काशिफ राजा, टी.पी. अजय कुमार सहित बटालियन के अन्य जवान एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन, बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने जीता खिताब

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । शहर के मिनी स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय व्हॉलीबॉल प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। 12 और 13 फरवरी को हुई इस प्रतियोगिता में जिले की 28 टीमों ने हिस्सा लिया और दर्शकों को कई कड़े मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबले में बीजापुर स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम ने शानदार तालमेल और आक्रामक खेल दिखाते हुए खिताब अपने नाम किया। गंगालूर की टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि अम्मा मार्केटिंग ने तीसरा स्थान हासिल किया।

कद इनाम के साथ ट्रॉफी- समापन समारोह में जनप्रतिनिधियों ने विजेता टीम को 51 हजार रुपये और ट्रॉफी, उपविजेता को 21 हजार रुपये तथा तीसरे स्थान की टीम को 11 हजार रुपयेऔर ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए गए- टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अलग से सम्मान मिला। नागेश पेरमा को बेस्ट प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। सुधाकर सोढ़ी बेस्ट अटैकर, रोहित मिंज बेस्ट लिफ्टर और सीनू हेमला बेस्ट ब्लॉकर घोषित किए गए। अन्य खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए।

शीर्ष टीमों को राष्ट्रीय स्तर पर मौका -प्रतियोगिता की टॉप चार टीमों को 18, 19 और 20 फरवरी को होने वाले ऑल इंडिया टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद -समापन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, जिला पंचायत सदस्य शंकरैया माड़वी और नीना रावतिया, जनपद अध्यक्ष उसूर पूर्णिमा तेलम, कलेक्टर संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल और जिला खेल अधिकारी नारायण प्रसाद गवेल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। दो दिनों तक चली इस प्रतियोगिता ने स्थानीय खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर दिया। साथ ही आयोजन से जिले में खेलों के प्रति बढ़ती रुचि और मजबूत होते खेल माहौल की झलक भी देखने को मिली।

गौण खनिज के अवैध परिवहन पर 4 हाइवा जप्त

सारंगढ़- बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के दिये गये निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में, संचार माध्यम से प्राप्त सूचना पर खनिज अमला द्वारा जिला अंतर्गत खनिजों के खनन परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम हेतु समय- समय पर आकस्मिक निरीक्षण किया है। शुक्रवार को खनिज अमला द्वारा भटगांव तहसील क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज परिवहन में संलिप्त 02 वाहन (हाईवा) पर कार्यवाही करते हुए थाना भटगांव के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार शनिवार को सारंगढ़ तहसील क्षेत्र अंतर्गत गौण खनिज के अवैध परिवहन 02 वाहन (हाईवा) पर कार्यवाही करते हुए थाना सारंगढ़ में सुपुर्द किया गया। यह कार्यवाही खनिज नियम 2015 एवं अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई। आगे भी कलेक्टर के निर्देशानुसार कार्यवाही की जाएगी।

मातृ पितृ पूजन दिवस का आयोजन संपन्न

बेमेतरा/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक शाला तेंदूभाठा, संकुल केन्द्र बावामोहतरा, विकासखंड एवं जिला बेमेतरा में मातृ पितृ पूजन दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में भावनात्मक और सांस्कृतिक वातावरण देखने को मिला, जहां विद्यार्थियों ने अपने माता-पिता का विधिवत पूजन एवं वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर बच्चों ने अपने माता-पिता के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और संस्कारों की अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पारिवारिक मूल्यों, आदर एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास करना रहा।कार्यक्रम में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष विजय बंजारे, शिक्षाविद् डॉ. सुखदेव वर्मा, प्रधानपाठक मनीष कुमार पाटिल, सहायक शिक्षक छगनलाल साहू, श्रीमती भगवती साहू सहित प्रेम यादव, कार्तिक वर्मा, बैसाखु खरसान, प्रेमदास, केसर निषाद, त्रिवेणी कौशल, दीपा वर्मा, मंजू राव, सरोजनी टंडन, सरोज चित्रेखा, पुष्पलता वर्मा, लक्ष्मी वर्मा, दुर्गा वर्मा, प्रभा वर्मा, तिलेश्वरी वर्मा, तुलेश्वरी साहू, करिश्मा घृतलहारे, सुशीला वर्मा, सहोद्रा यादव सहित अनेक अभिभावक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

भटगांव में महिला एवं बाल विकास विभाग का महिला जागृति शिविर सम्पन्न

सारंगढ़- बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना कार्यालय भटगांव द्वारा नगर के वार्ड नंबर 5 में महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया जिसमें नगर के उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन, जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति के साथ नगर के विभिन्न वार्डो के महिलाओं ने भाग लिया। शिविर में विभाग के द्वारा गोदभराई एवं अन्नप्राशन के कार्यक्रम भी आयोजित थी। मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को जागृत करना जरूरी है, एक महिला जागृत होती है, जागरूक होती है तो इसका प्रभाव न केवल उसके परिवार में पड़ता है बल्कि संपूर्ण समाज में इसका प्रभाव पड़ता है। महिलाओं को जागरूक करना,महिलाओं को सशक्त बनाने की शुरुआत है। सशक्त महिला मजबूत महिला होने के लिए स्वस्थ शरीर का होना जरूरी होती है अर्थात एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है। सभी महिलाओं को स्वस्थ रहना होगा। यदि परिवार में घर की महिला बीमार होती है तब इसका असर पूरे परिवार, समाज एवं देश पर इसका असर होता है। यदि स्वस्थ है तो भारत का निर्माण करना है तब हर घर के हर महिला को स्वस्थ बनाना होगा और स्वस्थ बनाने के लिए प्रत्येक महिलाओं की जांच जरूरी है। जांच करने पर ही पता चलेगा कि कितने स्वस्थ है। इसके लिए प्रत्येक महिलाओं को अपनी खून की जांच करा कर पता लगाना होगा कि उसमें हीमोग्लोबिन या खून की मात्रा कितनी है। अगर महिला एनीमिक या रक्त अल्पता से जूझती रही होगी तब इसका दुष्प्रभाव परिवार पर पड़ता है।इस कारण प्रत्येक महिला को संतुलित आहार पर ध्यान देना होगा अगर इनकी आहार संतुलित हो जिसमे पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन सूक्ष्म लवण के साथ पर्याप्त पानी की मात्रा को नियमित रूप से मिले तब ऐसे शरीर में बीमारी होने की संभावनाएं कम होती है। इसी तरह प्रत्येक महिला जिनकी उम्र 30 वर्ष के ऊपर है। उन सभी की ब्लड प्रेशर की जांच,शुगर की जांच और कैंसर की जांच करना जरूरी होता है। आज के सिविलाइज्ड जिंदगी में स्वस्थ जीवन शैली को भूलते जा रहे है, जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं को बीपी, शुगर की बीमारी दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रही है। इस कारण प्रत्येक लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव करना जरूरी है, जिसमें नमक की सेवन कम करना,चीनी या शक्कर की सेवन कम करना ,अच्छी नीद लेना , पैदल चलना ,योग करना ,मेडिटेशन करना जरूरी हो गया है। यदि हमारी जिंदगी में स्ट्रेस स्ट्रेन बढ़ते जाएगा तब भी इसका प्रभाव शरीर में पड़ता है। आज समाज में बीड़ी,तंबाखू , गुड़ाखू , खैनी , गुटखा , सिगरेट आदि की सेवन करने से उसके शरीर में दुष्प्रभाव पड़ता है और यही असंक्रामक रोगों को जन्म देता है, जिसमें बीपी का बढ़ना, शुगर का बढ़ना होता तथा अनियंत्रित खान पान रहन सहन के कारण कैंसर जिसमे मुंह का कैंसर, स्तन कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर होने की संभावनाएं बढ़ जाती है। उपस्थित सभी महिलाओं को असंक्रामक रोगों से बचने के लिए स्वस्थ जीवन शैली की अपनाना होगा। शरीर में असंक्रामक रोग के लक्षण है कि नहीं इसको जानने के लिए अपने पास आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जाकर बीपी, शुगर और कैंसर की जांच कराना जरूरी है। इस कार्यक्रम में सीडीपीओ विजय सरल, स्वास्थ्य कार्यकर्ता चंद्रकला जायसवाल उपस्थित रहे।

इधर मां का रो रो कर बुरा हाल और मां ने लगाया हत्या का आरोप

एक युवती होटल में जिंदा जली, इलाज के दौरान 8 दिन बाद हुई मौत

सक्ती/मूक पत्रिका

जिले के वार्ड क्रमांक 11 झूलकदम की रहने वाली 23 वर्षीय दिशा मरावी की संदिग्ध परिस्थितियों में जलने से हुई मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जाजंग में पदस्थ व्याख्याता मीना मरावी की इकलौती बेटी दिशा 24 जनवरी 2026 को गंभीर रूप से झुलसी अवस्था में सक्ती के निजी अस्पताल में भर्ती कराई गई थी। दिशा की हालत गंभीर होने पर उसे बिलासपुर रेफर किया गया था , जहां 1 फरवरी को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

एक फोन कॉल और बिखर गई दुनिया

मीना मरावी के मुताबिक 24 जनवरी की दोपहर उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनकी बेटी जली हुई हालत में अस्पताल में है।जब वह अस्पताल पहुंचीं तो दिशा 70क्क80 प्रतिशत तक झुलस चुकी थी। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति के कारण बातचीत की अनुमति नहीं दी। बाद में उसे बिलासपुर के क्क्क्क्ष्ट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां आईसीयू में उपचार के दौरान दिशा जिंदगी की जंग हार गई।

मां का आरोप, होटल में बुलाकर रची गई साजिश

मीना मरावी ने आरोप लगाया है कि योगेन्द्र कुमार साहू ने दिशा को होटल में बुलाया। वहां पहले से लड़के के साथी महेंद्र कुमार सिदार और आशीष पटेल मौजूद थे। दिशा के साथ होटल के रूम में योगेन्द्र कुमार साहू ने विवाद और मारपीट की गई। इसके बाद उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी गई। वहीं बुरी तरह जलने के बाद दिशा को सक्ती के एक निजी हॉस्पिटल में आशीष पटेल ने भर्ती कराया और गायब हो गया, दिशा का प्राथमिक उपचार कर बिलासपुर रिफर किया गया।

दिशा की मौत का क्या है सच..?

दिशा की मां का कहना है कि अस्पताल ले जाते समय दिशा ने बताया था कि उसे धमकाकर घटना को दूसरी जगह का बताने के लिए मजबूर किया गया। अगर वह झूठ नहीं बोलती तो उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया जाता, इस डर के कारण उसने प्रारंभ में पुलिस को गलत जानकारी दी। दिशा की मौत के बाद मामला तारबाहर पुलिस थाना बिलासपुर में शून्य में दर्ज किया गया। पोस्टमार्टम हो चुका है और रिपोर्ट का इंतजार है। परिजनों का आरोप है कि नामजद तीनों आरोपी अब तक खुलेआम घूम रहे हैं। गिरफ्तारी या कड़ी पूछताछ नहीं होने से कई सवाल उठ रहे हैं। घटना स्थल में सीसीटीवी फुटेज की जांच, कर्मचारियों से पूछताछ और कथित धमकियों की पुष्टि जैसे अहम पहलुओं पर भी स्पष्टता नहीं है।

क्या मेरी बेटी को न्याय मिलेगा- मां की पुकार,

इकलौती संतान खो चुकी मां मीना मरावी सदमे में हैं। उनका कहना है कि पुलिस की धीमी कार्रवाई से भरोसा डगमगा रहा है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर सख्त और निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं शहर में भी आक्रोश है और लोग निष्पक्ष जांच व त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बहरहाल, सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच और कार्रवाई पर टिकी हैं।

महिला जागृति शिविर का आयोजन, महिलाओं को जागरूक होना जरूरी- डॉ एफआर निराला

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

महिला जागृति शिविर भटगांव परियोजना कार्यालय भटगांव द्वारा आज नगर के वार्ड नंबर 5 में महिला जागृति शिविर का आयोजन किया गया जिसमे नगर के उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन जी ,जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफआर निराला जी एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति के साथ नगर के विभिन्न वार्डों के महिलाओं ने भाग लिया शिविर में विभाग के द्वारा गोदभराई एवं अनुप्राशन के कार्यक्रम भी आयोजित थी मुख्य रूप से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को जागृत करना जरूरी है एक महिला जागृत होती है ,जागरूक होती है तो इसका प्रभाव न केवल उसके परिवार में पड़ता है बल्कि संपूर्ण समाज में इसका प्रभाव पड़ता है महिलाओं को जागरूक करना ,महिलाओं को सशक्त बनाने की शुरुवात है मतलब कि सशक्त महिला मजबूत महिला होने के लिए स्वस्थ शरीर का होना जरूरी होती है अर्थात एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता हुऐ की तेज में सभी महिलाओं को स्वस्थ रहना होगा यदि परिवार में घर की महिला बीमार होती है तब इसका असर पूरे परिवार ,समाज एवं देश पर की इसका असर होता है यदि स्वस्थ भारत का निर्माण करना है तब हर घर के हर महिला को स्वस्थ बनाना होगा और स्वस्थ बनाने के लिए प्रत्येक महिलाओं की जांच जरूरी है जांच करने पर ही पता चलेगा कि कितने स्वस्थ है इसके लिए प्रत्येक महिलाओं को अपनी खून की जांच करा कर पता लगाना होगा कि उसमें हीमोग्लोबिन या खून की मात्रा कितनी है अगर महिला एनीमिक या रक्त अल्पता से जूझती रही होगी तब इसका दुष्प्रभाव परिवार पर पड़ता इस कारण प्रत्येक महिला को संतुलित आहार पर ध्यान देना होगा अगर इनकी आहार संतुलित हो जिसमे पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन ,कार्बोहाइड्रेट ,वसा ,विटामिन सूक्ष्म लवण के साथ पर्याप्त पानी की मात्रा को नियमित रूप से मिले तब ऐसे शरीर में बीमारी होने की संभावनाएं कम होती है इसी तरह प्रत्येक महिला जिनकी उम्र 30 वर्ष के ऊपर है उन सभी की ब्लड प्रेशर की जांच ,शुगर की जांच और कैंसर की जांच करना जरूरी होता है क्योंकि आज के सिविलाइज्ड जिंदगी में स्वस्थ जीवन शैली को भूलते जा रहे है जिसके परिणाम स्वरूप महिलाओं को बीपी ,शुगर की बीमारी दिन प्रति दिन बढ़ते जा रही है इस कारण प्रत्येक लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव करना जरूरी है जिसमे नमक की सेवन कम करना ,चीनी या शक्कर की सेवन कम करना ,अच्छी नीद लेना ,पैदल चलना ,योग करना ,मेडिटेशन करना जरूरी हो गया यदि हमारी जिंदगी में स्ट्रेस स्ट्रेन बढ़ते जाएगा तब भी इसका प्रभाव शरीर में पड़ता है इसी तरह से आज समाज में बीड़ी ,तंबाखू ,गुड़ाखू ,खैनी ,गुटखा ,सिगरेट आदि की सेवन करने से उसके शरीर में दुष्प्रभाव पड़ता है और यही असंक्रामक रोगों को जन्म देता है जिसमे बीपी का बढ़ना ,शुगर का बढ़ना होता तथा अनियंत्रित खान पान रहन सहन के कारण कैंसर जिसमे मुंह का कैंसर ,स्तन कैंसर तथा सर्वाइकल कैंसर होने की संभावनाएं बढ़ जाती है उपस्थित सभी महिलाओं को असंक्रामक रोगों से बचने के लिए स्वस्थ जीवन शैली की अपनाना होगा।

महिलाओं बच्चों सहित पूरे परिवार पर जानलेवा हमला करने वाले रसूखदार आरोपियों को 72 घंटे बाद भी हिरासत में नहीं लिया गया है आंखिर क्यों....?

थाना प्रभारी सरिया पर कहीं राजनैतिक पहुंच वाले रसूखदार आरोपियों को क्यों खुलेआम घूमने की छूट दी जा रही है....?

सरिया:/मूक पत्रिका

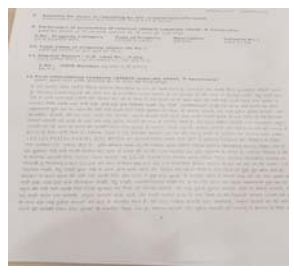

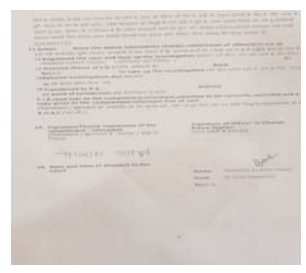

प्रार्थी की आवेदन पर थाना सरिया में अपराध क्रमांक 296,115(2),351(3), 331(8),3(5) क्न्हस(भारतीय न्याय संहिता) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। तत्पश्चात थाना प्रभारी सरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की धरपकड़ हेतु छापेमारी की गई। पुलिस ने मामले में शामिल आरोपी–डीलेश्वर मांझी निवासी ग्राम कोसमोदा, जिला -शक्ति (छत्तीसगढ़),पेटू मांझीनिवासी ग्राम बरगांव, लक्ष्मीनारायण मांझी निवासी बरगांव एवं अन्य घटना में शामिल आरोपियों को पुलिस अभी तक रसूख के कारण हिरासत में नहीं ले पाई है। पीड़िता एवं उसके पति ने आरोपियों की पहचान मारपीट में शामिल व्यक्तियों के रूप में की। आरोपियों की विधिवत गिरफ्तारी कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है जबकि पुलिस अधीक्षक सारंगढ़ बिलाईगढ़ ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों पर मारपीट और शांति-व्यवस्था भंग करने वाली किसी भी गतिविधि को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कदम उठाए जाएंगे। कानून हाथ में लेने वालों के लिए जिले में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली किसी भी प्रकार की असामाजिक या आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सूचनाकर्ता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। लेकिन इस मामले में सरिया थाना प्रभारी की भूमिका संदेहास्पद ही नजर आ रही है क्योंकि उक्त मामले में एक पीड़ित गंभीर रूप से चोटिल होने पर उसे पहले रायगढ़ रेफर किया गया था लेकिन वहां पर भी मरीज की नाजुक हालत को देखते हुए रायपुर रेफर किया गया है और इस मामले को अंजाम देने वाले राजनैतिक पहुंच वाले रसूखदार अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं और आम लोगों को बोल रहे हैं कि हमारे गिरेबान तक कानून के लंबे हाथ को भी पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी।बहरहाल इस मामले को लेकर पुलिस थाना प्रभारी सरिया द्वारा खबर प्रकाशन के बाद किसी प्रकार की कार्यवाही हेतु तत्परता दिखाने में रुचि लेते हैं कि नहीं यह आने वाले दिनों में पता चल पायेगा।

रेबीज जानलेवा बीमारी, लेकिन रोकथाम है संभव

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले में राष्ट्रीय रेबीज कंट्रोल प्रोग्राम के अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं जिला अस्पताल के चिन्हांकित अधिकारी कर्मचारी को आमंत्रित गया था। जिले में अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक कुल 10 माह में 8186 एनिमल बाइट के केस दर्ज हुए है जिनको उपचार दिया गया है। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि, रेबीज क्या है, रेबीज एक वायरल संक्रमण है जो मनुष्यों एवं जानवरों में हमेशा ही घातक होता है। रेबीज के सामान्य वाहक कौन है, इस बीमारी कुत्ते ,बिल्ली ,बंदर आदि जैसे जानवरों के काटने या खरोचने के कारण हो सकती है। यह संक्रमित जानवर के काटने से रेबीज का संक्रमण फैलता है ज्यादातर मामलों में मनुष्यों में यह बीमारी कुत्ते के काटने या खरोचने से भी होती है (90त्न से ज्यादा)। मनुष्यों में जानवर के काटने के बाद क्या उपचार करना चाहिए, सबसे पहले जख्म घाव को साबुन और साफ पानी बहते पानी से 15 मिनट तक अच्छी तरह से धोएं,घाव पर उपलब्ध एंटीसेप्टिक लगावे, घाव को खुला छोड़े और टांके न लगवाए, तुरंत अपने डॉक्टर की सलाह ले और एंटी रेबीज के टीके लगवाए घाव बड़ा होने पर इम्युनोग्लोबिन सिरपका टीका भी लगवाए। रेबीज का टीकाकरण, रेबीज के बचाव के लिए एंटी रेबीज टीका त्वचा या मांसपेशियों में लगवाए अगर त्वचा में लगाए जाते है तब 0, 3, 7 और 28 दिवस को लगवाएंगे लेकिन मांसपेशियों में लगवाने पर 0 ,3 ,7,14 और 28 वे दिवस में लगवाएंगे। मनुष्य में रेबीज से बचाव के लिए क्या आवश्यक है। घाव को अच्छी तरह से साफ पानी में धोए,घाव को खुला ही रखे तथा पास के स्वास्थ्य के केंद्र में जाकर टीका लगवाए और पूरे डोज भी लगवाए अधूरा न छोड़े। रेबीज से बचने के लिए क्या करे। घाव को साफ करे अल्कोहल या स्पिरिट से क्लीन करे, टीका लगवाए। समय समय पर पालतू जानवरों का टीकाकरण करवाए। कुत्ते काटने पर कोई घरेलू उपचार के चक्कर में न पड़े। अपने चिकित्सक से तुरंत ही सलाह ले। अपने घर के आसपास और मोहल्ले में पालतू व अज्ञात कुत्ते को भी नियमित तौर से एंटी रेबीज टीका लगवाने के लिए पहल करे। अगर आपके मोहल्ले में जानवर काटने की घटना हो रही है तो तुरंत अपने नजदीकी पंचायत, नगरपालिका के अधिकारी को सूचित करे, आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखे और कूड़ा कचरा जमा ना होने दे। जानवरों में रेबीज होने के लक्षण क्या है, जानवरों के व्यवहार में परिवर्तन, भौंकने के स्वर में बदलाव, बिना किसी कारण अत्यधिक उत्तेजित हो जाना ,बिना किसी कारण के काटना पानी से डरना ,(हाइड्रोफोबिया) मुंह से अत्यधिक लार निकलना , लकवा आना आदि। मनुष्य में रेबीज होने के लक्षण क्या है, अज्ञात जानवर से काटने का इतिहास होना ,पानी से डरना वायु भीटी। अज्ञात जानवरों के काटने के प्रकरण को नजरंदाज न करे याद रहे रेबीज की बीमारी 100त्न जानलेवा है, जबकि बचाव आसान है।

कोसीर थाना में शैक्षणिक भ्रमणः विद्यार्थियों को दी गई कानून और पुलिस कार्यप्रणाली की जानकारी

कोसीर/मूक पत्रिका

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भाठागांव (कोसीर) के छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के तहत थाना कोसीर लाया गया। इस दौरान थाना प्रभारी सुनीता नाग बंजारे एवं पुलिस स्टाफ द्वारा विद्यार्थियों को पुलिस की दैनिक कार्यप्रणाली, कानून की सामान्य जानकारी तथा साइबर क्राइम से बचाव के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि थाना स्तर पर शिकायत दर्ज करने से लेकर जांच प्रक्रिया तक किस प्रकार कार्य किया जाता है। साथ ही वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों–जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फेक कॉल, ओटीपी ठगी और सोशल मीडिया दुरुपयोग–से सतर्क रहने के उपाय भी समझाए गए।इस अवसर पर पुलिस की समाज में भूमिका और सकारात्मक छवि (इमेज) को लेकर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास और सहयोग से ही सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने खुलकर प्रश्न पूछे, जिनका थाना प्रभारी सुनीता नाग बंजारे ने सरल और स्पष्ट शब्दों में उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। अंत में सभी छात्र-छात्राओं को ÷अनुभव क्यूआर÷ के माध्यम से फीडबैक देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा पुलिस कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिला।

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शहीदों को श्रद्धांजलि

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों को सिरहासर स्थित शहीद स्मारक पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य के निर्देश पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों को नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि देश शहीद जवानों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकता और उनकी शहादत सदैव प्रेरणा देती रहेगी।कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी रामशंकर राव, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, सुषमा सुता, अमरनाथ सिंह, वेंकट राव, व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेंद्र पटवा, अल्पसंख्यक अध्यक्ष रोजविन दास, यूंका शहर अध्यक्ष निकेत राज झा, एनएसयूआई शहर अध्यक्ष विशाल खंबारी सहित कमलेश पाठक, ललिता राव, नीतीश शर्मा, एस. नीला, कमला भत्तरा, मनोज मंडावी, मोहसिन खान, हंसु नाग, देवांश दास, खीरेंद्र यादव और समीर कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

सारंगढ़ शहर में पानी सप्लाई के लिए मुख्य सड़क को बिना डिस्टर्ब किए पाइपलाइन पूर्ण

2 लेन सड़क के 3 मीटर नीचे से 37 मीटर का सुरंग बनाया तब हुआ पाइप लाइन का काम

सारंगढ़ आवर्धन योजना से आने वाले दिनों में शहर को 20 किमी दूर महानदी से सीधा मिलेगा पानी

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप के मार्गदर्शन में विभागीय दल द्वारा सारंगढ़ आवर्धन योजना में निरंतर काम किया जा रहा है, जिससे आने वाले दिनों में सारंगढ़ शहर को 20 किमी दूर महानदी से सीधा पानी मिलेगा। इसके लिए बाजार चौक पर 2 लेन सड़क को बिना डिस्टर्ब किए 2 लेन सड़क के 3 मीटर नीचे से 37 मीटर का सुरंग बनाया और पाइप लाइन का काम एक सप्ताह में पूरा कर लिया गया है, यह बड़ा कार्य हुआ, जिससे सड़क को नुकसान नहीं हुआ है। इस कार्य में विभाग के ठेकेदार रुद्रा कंस्ट्रक्शन द्वारा मेहनत बहुत किया गया है। कोलकाता, राउरकेला से श्रमिक बुलाये गए। सड़क के डेढ़ मीटर नीचे सुरंग बनाने पर बरसों का सड़क का सीसी रोड था, फिर नीचे 2.5 मीटर में सुरंग किया गया। अब पाइप लाइन का काम पूरा होने पर जलागार से फ़िल्टर होकर पानी घरों में पहुंचेगा। कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप ने जानकारी दी कि इसमें होरिजेंटल पुशिंग से निर्धारित पाइप को वेल्डिंग करके सुरंग बनाकर श्रमिकों के सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। सारंगढ़ आवर्धन योजना से साराडीह बैराज के इंटेक वेल से जल शोधन केंद्र से पानी टंकी होते हुए पानी सप्लाई किया जाएगा।

नौघटा शासकीय स्कूल में मनाया गया वार्षिक उत्सव, बच्चों की प्रस्तुतियों ने जीता सबका दिल..

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

बरमकेला ब्लॉक के ग्राम पंचायत नौघटा स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव बड़े उत्साह और रंगारंग माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में गांव के लोगों की भारी मौजूदगी रही और बच्चों की प्रस्तुतियों पर जमकर तालियां बजीं।कार्यक्रम का आयोजन सरपंच संगीता विरेन्द्र पटेल के प्रतिनिधित्व में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता अजय जवाहर नायक जिला पंचायत उपाध्यक्ष शामिल हुए। उनके साथ भाजपा मंडल महामंत्री महेश बारीक, बसंत चौहान और अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।मंच पर पंचगण पुनिदास मानिकपुरी, हेमचरण सारथी, आनंद राणा, गणेश पटेल, फलू पटेल, सामका सिदार, गौतम निषाद, केशव पटेल, दिलीप सिदार, उपसरपंच अनिल सिदार, सचिव श्याम लाल, बीडीसी पूजा संतोष चौहान, जितेंद्र पटेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। नौघटा के आश्रित गांव छैलफोरा से भी लोग कार्यक्रम में पहुंचे, जिससे माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाई। नृत्य, गीत और छोटे-छोटे नाटकों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। अभिभावकों और ग्रामीणों ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए तालियों से उनका स्वागत किया।मुख्य अतिथि अजय जवाहर नायक ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के अंदर से डर निकालकर उन्हें मंच तक लाना बड़ी मेहनत का काम है। उन्होंने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि मजबूत शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि स्कूल में किसी भी तरह की समस्या होगी तो उसे प्राथमिकता से हल कराने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को प्रोत्साहन दिया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। पूरे आयोजन ने यह संदेश दिया कि गांव के स्कूल भी प्रतिभा और उत्साह में किसी से कम नहीं हैं।

बिलाईगढ़ मे बड़ा हादसा निर्माणाधीन मकान का छज्जा गिरा, मलबे में दबकर मां-बेटे कि मौत

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ ब्लाक से कई दुखद खबर इन दिनों लगातार निकलकर सामने आ रही है चौथीया कार्यक्रम हादसा के बाद अब भटगांव थाना क्षेत्र के मधुबनकला गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। निर्माणाधीन मकान का छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे नीचे बैठे मां-बेटे मलबे में दब गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, मृतक श्याम सुंदर बंजारे अपनी मां ननकी भूरी के साथ निर्माणाधीन मकान के छज्जे के नीचे बैठकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान अचानक छज्जा ढह गया और दोनों उसके नीचे दब गए। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल मलबा हटाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।भटगांव पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा निर्माण की कमजोरी के कारण हुआ या अन्य कोई वजह रही।

14 साल पुराने प्रस्ताव पर कोरंडम खदान की स्वीकृति अवैधः विक्रम मंडावी

PESA कानून के उल्लंघन का आरोप, सरकार पर आदिवासियों के अधिकार छीनने की कोशिश का दावा

कुचनूर कोरंडम खदान को मिली पर्यावरण स्वीकृति, खनिज विभाग ने दी सफाई

3.70 हेक्टेयर क्षेत्र में उत्खनन की अनुमति, नियमों के पालन का दावा

बीजापुर/मूक पत्रिका

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिला खनिज अधिकारी के हालिया बयान पर कड़ी आपत्ति जताते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने कोरंडम खदान की स्वीकृति को अवैध बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि खनिज विभाग तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंडावी ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार बस्तर के जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों को रसूखदारों और उद्योगपतियों को सौंपने की कोशिश कर रही है। इसे कानूनी रूप देने के लिए गलत तर्क दिए जा रहे हैं।विधायक ने बताया कि बीजापुर पांचवीं अनुसूची का क्षेत्र है, जहां पेसा कानून लागू है। इस कानून के तहत गौण खनिजों की लीज देने से पहले ग्राम सभा की पूर्व अनुशंसा अनिवार्य होती है। उन्होंने कहा कि प्रशासन 25 मार्च 2011 के ग्राम पंचायत रुद्रारम और जनपद पंचायत भोपालपटनम के प्रस्ताव को आधार बता रहा है, लेकिन 14 साल पुराने प्रस्ताव के आधार पर 2025 में स्वीकृति देना समझ से परे है। वर्तमान ग्राम सभा से सहमति क्यों नहीं ली गई, यह बड़ा सवाल है।मंडावी ने यह भी कहा कि भले ही खदान क्षेत्र 5 हेक्टेयर से कम होने के कारण जनसुनवाई जरूरी नहीं बताई जा रही हो, लेकिन पर्यावरण स्वीकृति की प्रक्रिया में ग्राम सभा की भूमिका खत्म नहीं होती। आदिवासी बहुल इलाके में 3.70 हेक्टेयर की खदान का असर जंगल, जल स्रोत और स्थानीय आजीविका पर पड़ सकता है। बिना लोगों की राय लिए दी गई मंजूरी एकतरफा है।

सुरक्षा बलों की कार्रवाई जारी, अलग-अलग इलाकों में 5 माओवादी स्मारक तोड़े, संयुक्त ऑपरेशन में जवानों ने जंगलों में चलाया सर्च अभियान

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । जिले में माओवादियों के खिलाफ चल रहे अभियान के बीच सुरक्षा बलों को शनिवार को बड़ी सफलता मिली। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में संयुक्त ऑपरेशन चलाकर जवानों ने माओवादियों द्वारा बनाए गए 5 अवैध स्मारकों को ध्वस्त कर दिया। पुलिस का मानना है कि इन स्मारकों के जरिए संगठन इलाके में अपना असर बनाए रखने की कोशिश करता था।तर्रेम थाना क्षेत्र के मंडीमरका जंगल में सर्चिंग के दौरान केरिपु की 168 और 153 वाहिनी की टीम को एक स्मारक दिखाई दिया। जवानों ने सतर्कता बरतते हुए उसे सुरक्षित तरीके से तोड़ दिया। इसके अलावा उसूर थाना क्षेत्र में भी कार्रवाई हुई। मारूड़बाका के जंगलों में केरिपु 229 वाहिनी और कोबरा 204 की संयुक्त टीम ने दो स्मारक ढहा दिए। वहीं पाउरगुड़ा और सिंगनपल्ली के जंगलों में अभियान के दौरान दो और स्मारकों को नष्ट किया गया। पुलिस का कहना है कि दक्षिण बस्तर में इस तरह की कार्रवाई से माओवादियों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। इलाके में लगातार सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान जारी है और आगे भी इसी तरह का दबाव बनाए रखा जाएगा, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत बनी रहे।

संपादकीय

सूरजकुंड मेले में हादसे ने खोली प्रशासनिक लापरवाही

किसी भी तरह के हादसे के बाद यह मान लिया जाता है कि इसकी वजह किसी की चूक या फिर कोई तकनीकी गड़बड़ी होगी और जांच का सिरा भी आमतौर पर इसी दिशा में आगे बढ़ता है। अगर कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार की ओर से कार्रवाई के नाम पर निचले स्तर के कुछ लोगों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है और इसके लिए जिम्मेदार उच्च अधिकारियों या अन्य लोगों को प्रकारांतर से बख्श दिया जाता है।यह बेवजह नहीं है कि हादसे के मूल कारण बने रह जाते हैं और कुछ समय बाद फिर उसी तरह की घटना सामने आती है। हरियाणा के फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले में जिस तरह एक विशाल झूले के टूट जाने से एक पुलिस निरीक्षक की जान चली गई और बारह अन्य लोग घायल हो गए, वह प्रशासनिक स्तर पर बरती गई घोर लापरवाही का एक और उदाहरण है।झूले पर गए लोगों ने यह सोचा भी नहीं होगा कि मनोरंजन के बजाय एक घातक हादसे का खतरनाक अनुभव उनकी जेहन में लंबे समय तक के लिए घर बना लेगा। हादसे के बाद झूला संचालक और एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया, लेकिन क्या इस तरह नाममात्र के लिए की गई कार्रवाई यह सुनिश्चित कर सकता है कि भविष्य में ऐसा हादसा नहीं होगा?ऐसा लगता है कि उदासीनता और लापरवाही सरकारी महकमों की कार्यशैली बन चुकी है। आमतौर पर निचले स्तर के कुछ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके मामले का हल मान लिया जाता है और शायद ही कभी हादसों के वास्तविक जिम्मेदार लोगों को कठघरे में लाया जाता है। नतीजतन, हादसे एक सिलसिले की तरह कायम रहते हैं। सूरजकुंड मेले में जो झूला टूटा, निश्चित रूप से चलाने के पहले उसकी जरूरी जांच में लापरवाही बरती गई होगी और किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज किया गया होगा।सवाल है कि किसी भी झूले के संचालन से पहले हर स्तर पर उसकी पुख्ता सुरक्षा जांच में खरा उतरने के बाद ही उसे चलाने की इजाजत देने के लिए क्या सरकार की ओर कोई तंत्र गठित किया गया है। मेले के आयोजन की इजाजत देते हुए उसमें होने वाली गतिविधियों का पूरी तरह सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी थी? क्या सरकार ने इसके लिए जवाबदेह किसी उच्च स्तर के अधिकारी को भी कार्रवाई के दायरे में लाने की कोशिश की?अब मामले की गंभीरता के मद्देनजर एक विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया गया है। जांच के दायरे में झूला लगाने, उसका रखरखाव, निरीक्षण और संचालन से जुड़े लोगों से पूछताछ हो सकती है। मगर इस तरह की जांच के निष्कर्ष इस बात पर निर्भर करते हैं कि इसके लिए तकनीकी प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी से पूछताछ, झूले के सभी कल-पुर्जों के सही होने की रपट और सुरक्षा मानकों के अनुपालन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में कितनी पारदर्शिता बरती जाएगी और असली दोषियों को कानून के कठघरे में लाने को लेकर कितनी ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाई जाएगी।

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गईं और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा। इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

(नीरज कुमार दुबे)

यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई।इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।

ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा।

हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय-समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक

विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।

उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज़, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी।

सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है। उन्होंने बार-बार यह कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों को अधिक आत्मविश्वास तथा स्वतंत्रता के साथ परिभाषित करना चाहिए। अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारियों को और मजबूती प्रदान करना, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा चीन और उत्तर कोरिया जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना उनकी प्राथमिकता रही है। इस दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को प्रभावित किया जो जापान की क्षेत्रीय स्थिति को एक जटिल तथा बढ़ती चुनौतियों वाला क्षेत्र मानते हैं। वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव देखा जा रहा है। इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका महत्वपूर्ण है और ताका इची की जीत ने यह संकेत दिया है कि जापान वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक साझेदारियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिये तैयार है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, मुक्त व्यापार और सहयोग के लिये एक सकारात्मक संकेत है। जापान की बढ़ती भूमिका ने अमेरिका तथा अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर कई साझेदारी योजनाओं को गति दी है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि ताका इची सरकार इस दिशा को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी। साथ ही भारत-जापान के बीच लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत और जापान दोनों ही लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता तथा आर्थिक सहयोग के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। मोदी की बधाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान के साथ साझेदारी को और गहरा करना चाहता है, विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा क्षेत्रीय सामरिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में। यह बधाई न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक है, बल्कि इसका व्यापक महत्व यह है कि भारत दोनों देशों के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत करना चाहता है। भारतीय-जापानी सहयोग का दायरा हाल के वर्षों में लगातार बढ़ा है और इस चुनाव के परिणाम ने इसे और प्रोत्साहन दिया है। बहरहाल, 2026 का यह जापान चुनाव परिणाम दिखाता है कि जनता ने ठोस नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों तथा देश की रणनीतिक दिशा को समर्थन दिया है। सना इची की जीत सिर्फ एक संसदीय बहुमत नहीं है, बल्कि यह जापान के भविष्य की दिशा को लेकर एक व्यापक विश्वास का प्रतीक भी है। यह जीत जापान को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिये तैयार कर देती है और अब वैश्विक राजनीति में उसकी भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण बनने वाली है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लोकतंत्र की सफलता के लिए पढ़ने वाला समाज चाहिए

(पंकज पराशर)

किसी भी समाज की बौद्धिक स्थिति का आकलन इस बात से नहीं किया जा सकता कि वहां सूचना के कितने स्रोत उपलब्ध हैं, बल्कि इससे किया जाता है कि लोग उन सूचनाओं को किस गहराई से पढ़ते, समझते और आत्मसात करते हैं। सवाल यह नहीं है कि शब्द कम हो गए हैं, वास्तव में शब्द पहले से कहीं अधिक हैं। सवाल यह है कि क्या उन शब्दों के पीछे विचार भी बचा है?

आज का भारत तकनीकी रूप से अधिक सक्षम है, साक्षरता का दायरा पहले से बढ़ा है और सूचनाओं तक पहुंच अभूतपूर्व रूप से आसान हुई है। इसके बावजूद पढ़ने की आदत में आई गिरावट एक गंभीर सामाजिक संकेत है। लंबे लेख धैर्य की परीक्षा लगने लगे हैं, किताबें समय की बर्बादी समझी जाने लगी हैं और गहराई से सोचने वाली सामग्रियों को अक्सर 'भारी' या 'अप्रासंगिक' कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हम शीर्षक और निष्कर्ष पढ़कर अपनी राय बना लेना चाहते हैं, बिना उस वैचारिक प्रक्रिया से गुजरे, जो किसी भी लेखन का वास्तविक उद्देश्य होती है। यह बदलाव केवल जीवन-शैली का नहीं है, मानसिक अनुशासन का है। पढ़ना एक सक्रिय बौद्धिक प्रक्रिया है। इसके लिए एकाग्रता, समय और आत्म-संवाद की आवश्यकता होती है। जब कोई समाज पढ़ने से बचने लगता है, तो वह धीरे-धीरे गहराई से सोचने से भी कतराने लगता है। ऐसे में, विचार की जगह त्वरित प्रतिक्रिया ले लेती है और संवाद की जगह शोर। यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

पढ़ने की घटती प्रवृत्ति ने सार्वजनिक बहस की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आज विमर्श का केंद्र तथ्य या तर्क नहीं, बल्कि प्रभाव व प्रतिक्रिया बन गया है। गहन अध्ययन के बिना बनी राय अक्सर कट्टरता की ओर झुकती है। असहमति संवाद का माध्यम बनने के बजाय टकराव का कारण बन जाती है। लोकतंत्र के लिए यह गंभीर चुनौती बन गई है, क्योंकि लोकतंत्र केवल मतदान से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण संवाद से जीवित रहता है। जब पढ़ना कम होता है, तो समाज में सहनशीलता और संवेदनशीलता भी घटने लगती है। तब 'दूसरा' व्यक्ति या विचार सहज संदेह और विरोध का विषय बन जाता है। इसीलिए पढ़ने की संस्कृति को पुनर्जीवित करना केवल शैक्षिक या सांस्कृतिक प्रश्न नहीं है, यह सामाजिक संतुलन और लोकतांत्रिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब नागरिक पढ़ते हैं, तब वे केवल सूचित नहीं होते, बल्कि जिम्मेदार भी बनते हैं और जिम्मेदार नागरिक ही किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

आज नई पीढ़ी अपनी ही भाषा में लंबे लेख या पुस्तकें पढ़ने से असहज महसूस करने लगी है। शब्दावली सीमित हो रही है, वाक्य छोटे होते जा रहे हैं और अभिव्यक्ति की क्षमता कमजोर पड़ रही है। अक्सर तर्क दिया जाता है कि समय बदल गया है और पढ़ने के तरीके भी बदलेंगे। यह बात आंशिक रूप से सही हो सकती है। माध्यम बदलना स्वाभाविक है, पर अध्ययन की गहराई का समाप्त हो जाना स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। सवाल यह है कि क्या हम ऐसे नागरिक तैयार करें, जो केवल सूचना का उपभोग करते हैं या हमें ऐसे नागरिक चाहिए, जो विचार करने का साहस रखें? तकनीक से दूरी समाधान नहीं है, लेकिन तकनीक के साथ पढ़ने की संस्कृति को जीवित रखना अनिवार्य है। स्कूलों-विश्वविद्यालयों में पठन को फिर से केंद्रीय स्थान देना होगा। पढ़ना केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न रहकर एक बौद्धिक आदत बने, इस दिशा में प्रयास आवश्यक हैं। घरों में किताबें फिर से बातचीत का विषय बनें, वे केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का साधन न रहें। मीडिया को भी विचारोत्तेजक लेखन के लिए स्थान बनाना उसकी जिम्मेदारी है।

भारत यदि स्वयं को ज्ञान आधारित समाज के रूप में स्थापित करना चाहता है, तो उसे पाठक आधारित समाज भी बनना होगा। पढ़ना कोई विलास या विशिष्ट वर्ग की आदत नहीं है, यह एक जागरूक नागरिक की बुनियादी आवश्यकता है। जो समाज पढ़ता है, वही सवाल करता है और जो सवाल करता है, वही अपने भविष्य की दिशा स्वयं तय करता है। अपढ़ समाज में विचार भी धीरे-धीरे मौन हो जाते हैं और विचारों का मौन हो जाना किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा संकट होता है। (लेखक प्राध्यापक, अलीगढ़ मुस्लिम विवि है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आलोचना से नफरत तक, मोदी-विपक्ष संबंध और संसदीय जनतंत्र का नैतिक संकट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के बीच संबंध समकालीन राजनीति में विमर्श का एक महत्त्वपूर्ण विषय बन गया है। जनतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप, नोक-झोंक तथा टकराव अस्वाभाविक नहीं है। पर जो स्वाभाविक नहीं है, वह है शाब्दिक हिंसा और अमर्यादित आलोचना। यह संसदीय जनतंत्र की गिरावट के लक्षणों में से एक होता है। ऐसे में मर्यादा, सभ्य आचरण और चरित्र निष्प्रभावी लगने लगा है। वह जनमानस की अपेक्षा और राजनीतिक व्यवहार में बड़ा अंतर पैदा करने लगता है। धीरे-धीरे राजनीति से नैतिकता का संबंध समाप्त होने लगता है।

(राकेश सिन्हा)

मोदी ने विपक्ष के प्रति अपनी पीड़ा राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के उत्तर में दिए गए अपने भाषण में व्यक्त की। पिछले एक दशक से अधिक समय से विपक्ष के निशाने पर भाजपा-आरएसएस कम और प्रधानमंत्री मोदी अधिक रहे हैं और उनके प्रति यह आक्रामकता सामाजिक-आर्थिक दर्शन पर नहीं होकर 'मोदी' पर है। विपक्ष की यह सबसे बड़ी भूल है।

प्रधानमंत्रियों के प्रति नापसंदगी पहले भी व्यक्त होती रही है। अटल बिहारी वाजपेयी को 'संघ का मुखौटा', इंदिरा गांधी को 'मोम की गुड़िया' मोरारजी देसाई को 'बड़े व्यावसायिक हितों का प्रतिनिधि', चरण सिंह को 'कुलक', राजीव गांधी को 'नासमझ' और जवाहरलाल नेहरू को 'अंतिम अंग्रेजी प्रधानमंत्री' कहा गया। आपातकाल के दौरान भी इंदिरा गांधी के लिए किसी ने काटने-मारने की भाषा का प्रयोग नहीं किया। पर तब और अब में जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। विपक्ष के खेमों से नफरती अभियान 'कब्र खुदेगी' जैसे नारों में दिखने लगा है। मोदी ने ऐसा क्या गुनाह किया कि विपक्ष हिंसक भाषा का उपयोग कर रहा है? इसका उत्तर समकालीन राजनीति की हकीकत को सामने लाता है।

दरअसल, मोदी की आध्यात्मिक प्रतिबद्धता ने भारत को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने में धर्मनिरपेक्षीय संकोच समाप्त कर दिया। विपक्ष का चिंतन समूह इससे घुटन महसूस कर रहा है। वह भारत में उपराष्ट्रीयताओं, भाषाई प्रतिद्वंद्विताओं और अल्पसंख्यकवादी विचारों का प्रतिष्ठित उत्पादक रहा था। उस वैचारिक कारखानों पर लगभग ताला लग गया है। ऐसे में छटपटाहट कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वही कांग्रेस को संपूर्णानंद, केएम मुंशी, पट्टाभि सीतारमैया की भाषा बोलने नहीं देती है, जिसमें भारतीय सभ्यता के प्रति आदर था। हिंदुत्व विरोध के आधार पर अब राजनीति नहीं की जा सकती है। भले ही हिंदुत्व की परिभाषा संघ-भाजपा की शैली में नहीं हो, पर परिधि में आए बिना कांग्रेस या कोई अन्य दल अपने अस्तित्व को समृद्ध नहीं कर सकता है।

सत्ता और विपक्ष के बीच स्वस्थ आलोचनात्मक संबंध जनतंत्र को मजबूती देता है। एक बार वाजपेयी ने विपक्ष के लिए इस दोहे का प्रयोग किया था। 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय/ बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' यह तब संभव है जब विपक्ष में रचनात्मकता हो। शाहबानो मामले पर केंद्र सरकार के मंत्री आरिफ मुहम्मद खान कांग्रेस के खिलाफ हो गए थे। उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। राजीव गांधी ने उन्हें गद्दार नहीं कहा था। पर रवनीत सिंह बिट्टू का कांग्रेस छोड़ना राहुल गांधी की नजर में गद्दारी बन गया। जनतंत्र में विचारों का द्वंद्व व्यक्ति के मन में चलता रहता है और उसे अपने को बदलने का नैसर्गिक अधिकार होता है। इस

पर प्रहार करना जनतंत्र को कैद करने जैसा होता है।

एक समय था जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आचार्य जेबी कृपलानी ने कांग्रेस छोड़ दी थी। तब संसद में कांग्रेस के सदस्य एमएन लिंगम ने कटाक्ष करते हुए उनसे पूछा था कि 'आपने कांग्रेस कब छोड़ी?' तो कृपलानी का जवाब था 'जब से कांग्रेस में भ्रष्टाचार और कमीशन का विषाणु आ गया।' उनकी पत्नी सुचेता कृपलानी कांग्रेस में ही रहीं और उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। पीलू मोदी स्वतंत्र पार्टी के नेता थे। उन पर सत्तारूढ़ पार्टी सीआइए का एजंट होने का आरोप लगाती थीं। एक दिन वे अपने गले में 'मैं सीआइए का एजंट हूं' की पट्टी लगाकर संसद भवन में चारों तरफ घूम गए। समकालीन भारत में संसद और संसद के बाहर की संवाद शैली में कोई बुनियादी अंतर नहीं रह गया है। एक तरफ की बदजुबानी दूसरी तरफ को बदजुबानी का अवसर दे देती है। फिर टीवी स्टूडियो उसे खाद-पानी, प्रश्रय और प्रोत्साहन देते हैं।

भारतीय जनसंघ पचास-साठ के दशकों में सीमित प्रभाव वाली पार्टी थी। यह नेहरूवादी आर्थिक नियोजन से असहमत थी। तब जनसंघ के सिद्धांतकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'द टू प्लान्स' के नाम से वैकल्पिक आर्थिक दस्तावेज देश के सामने रखा। राम मनोहर लोहिया या जय प्रकाश नारायण के साथ राजनीतिक दस्तावेजों से लेकर राजनीतिक विमर्श होते रहते थे। तिब्बत के प्रश्न पर नेहरू की नीति के विरोध में जयप्रकाश नारायण का सारगर्भित भाषण आज भी उद्धृत होता है। 1989 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ईएमएस नंबूदरीपाद ने पुस्तिका जारी की थी 'द आरएसएस एंड बीजेपी इन द सर्विस आफ राइट रिएक्शन'।

इसमें उन्होंने संघ और भाजपा को प्रतिक्रियावाद और दक्षिणपंथ का एजंट कहा। तब भाजपा ने 'द ग्रेट ब्रिटेयल' नामक पुस्तिका जारी कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कम्युनिस्टों की साम्राज्यवादियों के प्रति पक्षधरता को उजागर किया। इस तरह के वैकल्पिक दस्तावेज और कार्यक्रम आम लोगों का प्रबोधन होते हैं। इसका समाधान क्या है? आज की स्थिति में लोक पहल ही एकमात्र रास्ता है। जब स्वतंत्र रूप से निष्पक्षता से अधिक दूर रहे बिना बात कही और सुनी जाएगी, तब राजनीतिक विमर्श और संबंधों का परिष्कार संभव है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

बलरामपुर में 'अटल परिसर' का लोकार्पण

बलरामपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के रामानुजगंज नगर में विकास और गौरव से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अध्याय उस समय जुड़ गया, जब प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम ने 'अटल परिसर' का विधिवत लोकार्पण कर इसे नगरवासियों को समर्पित किया। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की अष्टधातु से निर्मित भव्य प्रतिमा से सुसज्जित यह परिसर अब नगर की सांस्कृतिक पहचान और विकास का नया प्रतीक बनकर उभरा है। लोकार्पण समारोह में मंत्री रामविचार नेताम ने फीता काटकर तथा पूजा-अर्चना कर परिसर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि अटल बिहारी वाजपेई की अष्टधातु प्रतिमा देश में सर्वप्रथम रामानुजगंज में स्थापित की गई थी। प्रतिमा के सौंदर्यीकरण और परिसर के विकास कार्य पूर्ण होने के बाद इसे 'अटल परिसर' के रूप में जनता को समर्पित किया गया।समारोह में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा नेताम, रामानुजगंज नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रमन अग्रवाल, उपाध्यक्ष शीला जायसवाल सहित सभी वार्ड पार्षद और

गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि नगर के विभिन्न वार्डों में पेयजल, बिजली और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के सहयोग से नगर के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।मंत्री नेताम ने अटल जी की भव्य प्रतिमा की सराहना करते हुए इसे रामानुजगंज के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने एनएच-343 सड़क निर्माण कार्य का उल्लेख करते हुए कहा कि रामानुजगंज से बलरामपुर तक टू-लेन सड़क निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे भविष्य में फोर-लेन में विस्तारित करने की योजना है।अपने संबोधन के अंत में मंत्री ने कहा कि वे निस्वार्थ भाव से जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं और नगर के विकास के लिए लगातार कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम के साथ ही 'अटल परिसर' औपचारिक रूप से नगरवासियों को समर्पित कर दिया गया।

सोमनापुर नया में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों को दी गई भावभीनी विदाई

पंडरिया (कबीरधाम)/मूक पत्रिका

शासकीय हाई स्कूल सोमनापुर नया, विकासखंड पंडरिया, जिला कबीरधाम में कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों के सम्मान एवं विदाई समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पूजा-अर्चना एवं तिलक लगाकर किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सहारुद्दीन खान ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में अनुशासन और नियमित परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने और विद्यालय का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में कक्षा दसवीं की छात्राएं कु. आरती खांडे, कु. अंजना साहू, कु. बिमला दिवाकर तथा छात्र संस्कार सेन और प्रकाश पटेल ने अपने विद्यालयीन अनुभव साझा करते हुए गुरुजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। जूनियर विद्यार्थियों द्वारा गीत, कविता, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सभी सीनियर विद्यार्थियों को दो-दो पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख सहारुद्दीन खान, महेंद्र कुमार कंठले, संतोष कुमार साहू, योगेश कुमार गुरुदीवान, श्रीमती शकुन पाटले, श्रीमती मनीषा मार्को, श्रीमती इंद्राणी साहू, श्रीमती राजपूत, पवन चांदसे, भगत राम बांधकर, महेश जायसवाल, प्रताप सिंह राठौर, कार्तिक राम खूंटे सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का समापन उत्साह और भावुक माहौल के बीच हुआ, जहां विद्यार्थियों ने अपने उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ विद्यालय से विदा ली।

सिंघौरी स्कूल में बड़ी धूमधाम से मातृ-पितृ दिवस मनाया गया, 'माता-पिता और विद्यार्थियों ने मनाया अनोखा प्रेम-दिवस'

बेमेतरा/मूक पत्रिका

मानव-जीवन के उत्थान में माता-पिता एवं गुरुजनों के आदर का महत्त्व जाननेवाला यदि कोई देश है तो वह है अपना भारत देश। इस देश की महान संस्कृति ने इस सिद्धांत को अत्यंत महत्त्व देते हुए विद्यार्थी को आदेश दिया है: 'मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव।' अर्थात् माता, पिता और आचार्य को देव (ईश्वर) माननेवाला हो। अपनी संस्कृति के इन प्राचीन संस्कारों को पुनर्स्थापित करने के लिए तथा 14 फरवरी को 'वेलेन्टाईन डे' मनाने की जो पाश्चात्य प्रथा हमारे देश में पैर जमा रही है, उसे उखाड़ फेंकने के लिए संत आसारामजी बापू की पावन प्रेरणा से देशभर में मातृ-पितृ पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश के हजारों विद्यालय एवं महाविद्यालय जुड़ गये हैं।इसी तारतम्य में शासकीय हाई एंव पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में भी बड़ी हर्सोल्लास के साथ मातृ-पितृ दिवस मनाया गया।कार्यक्रम की शुभारंभ शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती की तैलचित्र पर पूजा अर्चना कर किया गया।ततपश्चात स्कूली बच्चों के अभिभावक जो कार्यक्रम में पहुंचे थे उनके बच्चों द्वारा विधिविधान पूर्वक पूजा कराया गया। साथ ही साथ संस्था के वरिष्ठ शिक्षिका सरस्वती साहू द्वारा प्रधान पाठक पद पर पदोन्नति की खुशी में आंशिक न्यौता भोजन कराया गया।जिसमें स्वल्पाहार के रूप में केला,समोसा एंव जलेबी वितरण किया गया।कार्यक्रम की उद्देश्य बताते हुए प्रधान पाठक साहू ने बताया कि माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम गुरु, प्रेरणा और संस्कारों के आधार स्तंभ हैं। उनका स्नेह, त्याग और आशीर्वाद ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। आइए, इस पावन दिवस पर उनके प्रति सम्मान, कृतज्ञता और सेवा का संकल्प लें। इस अवसर पर संजय प्रसाद प्यासी प्राचार्य सहित नारद साहू वर्मा (शिक्षाविद), रामगोपाल चंद्राकर,शशिकला यादव,धनीराम बंजारे (संकुल समन्वयक),देवेंद्र साहू,नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, सरिता बंजारे,पूनम साहू,किरण खरे,राजेश गायकवाड़ एंव साजन वर्मा,कमल मनिकपुरी, सहित अभिभावकों में माता-पिता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत कोंटा में प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा

दूरस्थ ग्राम बंडा पहुंचे अधिकारी, 200 से अधिक निर्माणाधीन आवासों का किया निरीक्षण

सुकमा /मूक पत्रिका

कलेक्टर श्री अमित कुमार के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए आज एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक और मैदानी निरीक्षण किया गया।

लंबित आवासों पर जवाबदेही तय-उप संचालक पंचायत श्री रविशंकर वर्मा तथा जनपद पंचायत कोंटा के सीईओ श्री सुमित ध्रुव ने उन ग्राम पंचायतों के सचिवों की बैठक ली, जहाँ आवास निर्माण का कार्य सर्वाधिक लंबित है। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण आवासों को तत्काल पूर्ण कराया जाए और हितग्राहियों को समय पर किश्त का भुगतान सुनिश्चित हो। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

वनांचल ग्राम बंडा का जमीनी निरीक्षण-समीक्षा बैठक के पश्चात अधिकारियों की टीम ने दूरस्थ ग्राम पंचायत बंडा का दौरा किया, जहाँ 200 से अधिक आवास स्वीकृत हैं। टीम ने निर्माणाधीन मकानों की भौतिक प्रगति का अवलोकन किया और संबंधित रोजगार सहायकों व सचिवों को प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला समन्वयक, आवास समन्वयक, सरपंच और सचिव उपस्थित रहे।

लोहंडीगुड़ा में 24 फरवरी को एसडीएम कार्यालय का घेराव करेगा भारतीय किसान संघ

लोहंडीगुड़ा/बस्तर/मूक पत्रिका

भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश, जिला बस्तर, तहसील लोहंडीगुड़ा के तत्वावधान में आगामी 24 फरवरी 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय का घेराव किया जाएगा। यह घेराव दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें वृहद स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि किसानों की विभिन्न लंबित समस्याओं एवं मांगों को लेकर यह आंदोलन आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला बस्तर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष द्वय, मंत्री, कोषाध्यक्ष, महिला प्रमुख, सह मंत्री सहित किसान संघ बस्तर मुख्यालय के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे संघ पदाधिकारियों के अनुसार लोहंडीगुड़ा क्षेत्र के किसानों के बीच उपस्थित रहकर उनकी समस्याओं को समझा जाएगा तथा समाधान के लिए प्रशासन के समक्ष ठोस मांगें रखी जाएंगी। किसान संघ ने क्षेत्र के किसानों एवं आम जनता से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाएं और अपनी आवाज बुलंद करें।

कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों का बड़ा डंप बरामदद्ध भारी मात्रा में हथियार एवं विस्फोटक सामग्री जब्त

कांकेर /मूक पत्रिका

कांकेर जिले के कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत थाना छोटेबेठिया क्षेत्र के ग्राम बीनागुंडा के समीप नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए एक बड़े डंप का सुरक्षा बलों ने सफलतापूर्वक खुलासा किया है। संयुक्त अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, आईईडी एवं अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। सुरक्षा बलों को मिली गुप्त सूचना के आधार पर डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान जमीन में छिपाकर रखी गई नक्सली सामग्री बरामद की गई। बरामद सामग्री में बीजीएल लॉन्चर (02 नग), 12 बोर बंदूक (02 नग), एयरगन (01 नग), डायरेक्शनल आईईडी (03 नग), टिफ्फिन आईईडी (लगभग 05 किग्रा), बीजीएल बम (30 नग), 12 बोर राउंड (26 नग), बारूद (लगभग 02 किग्रा), मल्टीमीटर (01 नग), बिजली वायर (02 बंडल), पाउच (02 नग), स्प्लिंटर (01 पैकेट) तथा अन्य दैनिक उपयोग की नक्सली सामग्री शामिल है।सुरक्षा बलों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी नक्सली साजिश नाकाम हुई है। लगातार चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के कारण नक्सलियों पर दबाव बढ़ रहा है और वे अपने ठिकाने छोड़ने को मजबूर हो रहे हैं। क्षेत्र में सर्चिंग अभियान निरंतर जारी है। यह संयुक्त कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर सुंदरराज पी. के मार्गदर्शन, पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल कुमार राखेचा के निर्देशन, तथा बीएसएफ डीआईजी सेक्टर कन्हारगांव (भानुप्रतापपुर) ओमप्रकाश एवं 94वीं वाहिनी बीएसएफ के सेनानी रायचंद्र सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुई।

छात्रावास अधीक्षकों की बैठक, स्वास्थ्य और व्यवस्थाओं पर दिया गया विशेष ध्यान

बीजापुर /मूक पत्रिका

समग्र शिक्षा के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावासों के अधीक्षकों और अधीक्षिकाओं की बैठक आयोजित की गई। जिला मिशन समन्वयक भवानी शंकर रेड्डी ने बैठक में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई, स्वास्थ्य और छात्रावास की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। बैठक में विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने, जाति और जन्म प्रमाण पत्र समय पर बनवाने, उपस्थिति सुनिश्चित करने और छात्रावास परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जरूरी दस्तावेज पूरे रहने से बच्चों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी नहीं होगी।मिड-डे मील की गुणवत्ता बनाए रखने और भोजन समय पर उपलब्ध कराने को भी प्राथमिकता देने की बात कही गई। इसके साथ ही राज्य छात्रवृत्ति समेत अन्य योजनाओं की ऑनलाइन प्रविष्टि तय समय में पूरी करने के निर्देश अधीक्षकों को दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और पढ़ाई से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। छात्रावासों में पढ़ाई का माहौल नियमित और अनुशासित रखने पर भी जोर रहा। बैठक के अंत में अधीक्षकों और अधीक्षिकाओं ने जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने और विद्यार्थियों के हित में पूरी निष्ठा से काम करने का भरोसा दिलाया। माना जा रहा है कि इस पहल से छात्रावासों की व्यवस्था और मजबूत होगी।

हिन्द सेना ने 63000 यूनिट रक्तदान का विश्व रिकॉर्ड बनाया है : दक्ष वैद्य ने राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने दिलाई शपथ

रायपुर/मूक पत्रिका

राष्ट्रहित में समर्पित हिन्द सेना समाजसेवी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सदस्य केंद्रीय मंत्रालय भारत सरकार मंगेश वैद्य के निर्देशानुसार युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू के नेतृत्व में पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ के जवानों को श्रद्धांजलि देकर क्षेत्रवासियों को प्रेरित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में रैलियां, नुक्कड़ सभाएं एवं अन्य देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। युवा ब्रिगेड राष्ट्रीय अध्यक्ष दक्ष वैद्य साहू ने उपस्थित हिन्द सैनिको को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा घोषित आतंकवादियों ने हमारे राष्ट्र के रक्षक सीआरपीएफजवानों को बस पर कायरतापूर्ण हमला किया था। जम्मू कश्मीर के पुलवामा के पास हुए इस बर्बर आतंकवादी हमले में 40 से भी अधिक वीर शहीद हो गए थे। इस वीभत्स एवं घृणित हमले ने अनेक माताओं की गोद सूनी कर दी, बहनों का सिंदूर मिटा दिया, कई बच्चों को अनाथ बना दिया तथा कहीं घरों के चिराग बुझा दिए।वेलेंटाइन डे जैसी विदेशी संस्कृति से परे रहकर देश और देश के वीर जवानों तथा उनके परिवारों के प्रति प्रेम का इजहार दिल से करना चाहिए। क्षेत्रवासियों को प्रेरित करने विभिन्न क्षेत्रों में रैलियां, नुक्कड़ सभाएं व अन्य देशभक्ति पूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए।दक्ष वैद्य साहू ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि हिन्द सेना रक्तदान का विश्व रिकॉर्ड बना चुका है, उन्होंने बताया कि देश की आजादी की 63 वीं सालगिरह के मौके पर हिन्द सेना ने देश के सैकड़ों शहरों में कैंप लगाकर एक दिन में 63 हजार यूनिट ब्लड डोनेट कर वैश्विक कीर्तिमान बनाया था। हिन्द सेना द्वारा युवाओं में देश प्रेम की भावना जागृत करने के उद्देश्य से देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित कर आगामी वर्षों में एक लाख यूनिट रक्तदान का लक्ष्य पूर्ण किया जाएगा।कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्वराज मुदलियार, शिवम शुक्ला, अभय पाठक, आशीर्वाद श्रीवास्तव, निखिल जांगड़े, उपाध्यक्ष, विशेष शर्मा, मुकेश जांगड़े, संगठन महामंत्री रामेश्वर देवांगन, निखिल श्रीवास, महासचिव ऋषभ पांडे, आशिर्वाद श्रीवास्तव, सचिव आदित्य देशलहरे, स्वतंत्र पटेल, संगठन मंत्री गुरप्रीत सिंग, सुनिल सिंह, मिलिंद धनी, बाबू जफर, सुरेश पाटले, वैभव त्रिवेदी, श्रीनु राव, महेंद्र तांडी, करन सोनवानी, मनोज तिवारी, विनोद भारती, पदुम घृतलहरे, दीपक कशयप, भूपेंद्र मानिकपुरी, रजनी भारती, भानुप्रताप घृतलहरे, अमित साहू, दिवाकर सेन, राजेश चौहान, आशीष निर्मलकर, राहुल वर्मा, नेमीचंद साहू, रवि सेन, कुशल साहू, पप्पू साहू नितिन पटेल, अभय टंडन, रमेश विश्वकर्मा, रवि साहू, गोपाल यादव, नितिन वर्मा, संतोष साहू, राहुल देव, प्रमोद मंडावी, दीपक बघेल, टिंकू ठाकुर, वीरेंद्र प्रसाद, देवेंद्र गजभिए, सोमेश महेश्वरी, देव पांडे, अविनाश वर्मा, परमानंद महेश्वरी, आशीष विश्वकर्मा, अनिल मंडारिया, दीपेश देशमुख, राजेश माने, चंद्रशेखर प्रसाद सहित हिन्द सैनिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

बजट सत्र 2026 में 36 हजार दैनिक श्रमिकों के स्थायीकरण की मांग, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रायपुर/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ सर्वविभागीय अस्थायी आकस्मिक पूर्णकालिक विभागीय दैनिक वेतनिक श्रमायुक्त दर श्रमिक मोर्चा द्वारा प्रदेश के लगभग 36 हजार पूर्णकालिक दैनिक मासिक श्रमिकों के स्थायीकरण को लेकर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन में मांग की गई है कि बजट सत्र 2026 में ÷माता कौशल्या÷ को समर्पित करते हुए स्थायीकरण योजना लागू की जाए तथा न्यूनतम से न्यूनतम 1 वर्ष की समय-सीमा निर्धारित कर इसे प्रभावी किया जाए। मोर्चा ने कहा कि प्रदेश में नए श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद पूर्व में लागू स्थायीकरण योजनाओं को जारी रखना कठिन हो गया है, इसलिए सरकार को स्पष्ट नीति बनाकर निर्णय लेना चाहिए। संगठन ने अपने ज्ञापन में अन्य राज्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान में समय-सीमा तय कर स्थायीकरण की प्रक्रिया लागू की गई थी। छत्तीसगढ़ में भी इसी प्रकार ठोस कानूनी आधार पर योजना लागू करने की मांग की गई है।मोर्चा पदाधिकारियों ने कहा कि यदि समय रहते स्थायीकरण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हजारों श्रमिकों का भविष्य प्रभावित होगा। उन्होंने सरकार से श्रमिक हित में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।ज्ञापन में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित विभिन्न पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी संलग्न हैं। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगों पर विचार नहीं होने की स्थिति में आगे आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के नए कप्तान होंगे

2019 से टीम के साथ हैं, संजू सैमसन ट्रेड होकर सीएसके चले गए थे

जयपुर (एजेंसी)। 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीम ने ऑलराउंडर रियान पराग को टीम का अगला कप्तान नियुक्त किया है। यह फैसला संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में चले जाने के बाद लिया गया है। 2026 के लिए हुए आईपीएल के मिनी ऑक्शन से पहले संजू सैमसन ट्रेड विंडो के जरिये सीएसके में चले गए थे। सीएसके ने इसके बदले रवींद्र जडेजा और सैम करन जैसे दो ऑलराउंडर राजस्थान रॉयल्स को दिया था।

24 साल के रियान पराग पिछले सात सीजन से राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे। संजू सैमसन ने पिछले सीजन के बाद फेंचाइजी छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने भविष्य को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।

पिछले साल 8 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं पराग

रियान पराग के लिए कप्तानी का अनुभव नया नहीं है। आईपीएल 2025 के दौरान जब संजू सैमसन चोट की वजह से 8 मैचों से बाहर रहे थे, तब पराग ने ही टीम की कमान संभाली थी। हालांकि, उन 8 मैचों में टीम को सिर्फ 2 जीत मिली थी, लेकिन बतौर बल्लेबाज पराग ने प्रभावित किया था। उन्होंने कप्तानी के दौरान 38.57 की औसत से रन बनाए थे, जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ ईडन गार्डन्स में खेली गई 95 रनों की पारी उनके करियर का बेस्ट स्कोर है।

होटल में बुकिंग ना होने पर मुसीबत में फंसे पाकिस्तानी खिलाड़ी

सड़क पर गुजारे कई घंटे

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी टीम के सदस्यों को कैनबरा पहुंचने पर कई घंटे सड़क पर बिताने पड़े क्योंकि पैसों के अभाव में पाकिस्तान हॉकी महासंघ होटल के बिल का भुगतान नहीं कर सका जिससे होटल बुकिंग रद्द हो गई। पाकिस्तानी टीम होबर्ट में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के मैच खेलने आस्ट्रेलिया में है। टीम के सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को घंटों तक सड़क पर रहना पड़ा।

एक सूत्र ने बताया, खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए कैनबरा में एक चार सितारा होटल में कमरे बुक किए गए थे। उन्हें बताया गया था कि पाकिस्तान खेल

बोर्ड और पीएचएफ ने कैनबरा में उनके रहने के लिए सारे भुगतान कर दिए हैं। सूत्र ने कहा, लेकिन पिछले सप्ताह कैनबरा पहुंचने पर पता चला कि उस होटल में कोई बुकिंग थी ही नहीं। टीम के मुख्य कोच ताहिर जमान टाइम जोन अलग होने के कारण पीएसबी और पीएचएफ अधिकारियों से संपर्क नहीं कर सके। सूत्र ने कहा, ताहिर ने उन्हें इस स्थिति के बारे में बताया कि लाहौर से लंबा सफर करके आए खिलाड़ियों के पास आराम करने की कोई जगह नहीं है। हॉकी पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल है और टीम प्रो लीग में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी जैसी शीर्ष टीमों से खेल रही है। सूत्र ने बताया कि कई घंटे बाहर इंतजार करने के बाद होटल प्रबंधन ने खिलाड़ियों को कुछ कमरे दिए। सूत्र ने कहा, कमरे उपलब्ध नहीं थे लिहाजा एक ही कमरे में दो तीन खिलाड़ी रूके और अगले दिन ऑस्ट्रेलिया से मैच खेलने स्टेडियम गए जिसमें 2–3 से पराजय मिली।

इससे पहले अर्जेंटीना में प्रो लीग के पहले चरण में खिलाड़ियों को दैनिक भत्ते नहीं मिले थे जिससे विदेश में उन्हें पैसों की किल्लत हो गई। कैनबरा में टीम मैनेजर के बिना गई है क्योंकि नियमित मैनेजर और पूर्व ओलंपियन अंजुम सईद को क्वास्त्र ने निकाल दिया है। उन्हें वापिस लौटते समय फ्लाइट में सिगरेट पीते पाया गया और हवाई अड्डे पर सुरक्षा अधिकारियों से उनकी झड़प भी हुई। सूत्र ने बताया कि कैनबरा में कुछ स्थानीय पाकिस्तानी लोगों से संपर्क किया गया जिन्होंने आकर उनकी मदद की। पाकिस्तान प्रो लीग के सभी छह मैच हार चुका है।

मुजरबानी की स्पीड के आगे ऑस्ट्रेलिया ने टेके घुटने

● जिम्बाब्वे ने टी-वर्ल्ड कप 2026 में किया सबसे बड़ा उलटफेर ● कंगारुओं की पहली हार, मुजरबानी ने 4 विकेट झटके

कोलंबो (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में पहला उलटफेर देखने को मिला है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन के अंतर से हराया। टीम ने दूसरी बार कंगारुओं को मात दी है। उसने 19 साल पहले 2007 में भी ऑस्ट्रेलिया को लीग राउंड में हराया था।

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर के बाद 146 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट झटके। 3 विकेट ब्रैडली इवांस को मिले।

आस्ट्रेलिया के लिए मैट रेनशॉ (65 रन) ने फिफ्टी

लगाई। ग्लेन मैक्सवेल ने 31 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस (6) ट्रैविस हेड (17) और जोश इंग्लिस (8) खास प्रदर्शन नहीं कर सके। टिम डेविड और कैमरन ग्रीन का खाता भी नहीं खुला।

जिम्बाब्वे से ब्रायन बेनेट ने 56 बॉल पर नाबाद 64 रन बनाए। यह उनका टी-20 वर्ल्ड कप में पहला और टी-20 इंटरनेशनल में ओवरऑल 11वां अर्धशतक है। उनके अलावा तादिवानाशे मारुमनी और रयान बर्ल ने 35-35 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने 13 बॉल पर नाबाद 25 रन बनाए। ऑस्टेलिया के लिए मार्कस स्टोयनिस और कैमरन ग्रीन को 1-1 विकेट मिला। मैच का स्कोरकार्डज

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की लगातार दूसरी जीत

● नामीबिया को 93 रनों से हराया, ईशान-पंड्या की फिफ्टी, चक्रवर्ती को 3 विकेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया। टूर्नामेंट इतिहास में रनों के लिहाज से यह इंडिया की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 90 रन का था, जोकि इंग्लैंड के खिलाफ 2012 में बना था।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरा मैच जीतकर ग्रुप-ए के पॉइंट्स टेबल के टॉप पर जगह बना ली। भारत ने अमेरिका को पहला मैच हराया था। गुरुवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 9 विकेट के नुकसान पर 209 रन बनाए थे। भारत ने आखिरी 4 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे। ईशान किशन ने 61 और हार्दिक पंड्या ने 52 रन बनाए। नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरासमस ने 4 विकेट लिए। 210 रन का टारगेट चेज करने उतरी नामीबिया की टीम 18.2 ओवर में 116 रन पर ऑलआउट हो गई। वरुण चक्रवर्ती ने 3, अक्षर और हार्दिक ने 2-2 विकेट लिए। नामीबिया की ओर से लौरेन स्टीनकैंप ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए।

भारत ने लगातार 10वां वर्ल्डकप मैच जीता, ऐसा करने वाली पहली टीम– भारत इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा लगातार मैच जीतने वाली टीम बन गई है। टीम ने वर्ल्ड कप में लगातार 10वां मैच जीता। भारत को आखिरी हार 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में एडिलेड के मैदान पर मिली थी।

भारत पॉइंट्स टेबल में नेट रन रेट से आगे

भारतीय टीम ग्रुप–ए में 2 जीत के साथ टॉप पर है। टीम के पास 4 अंक हैं, इतने ही अंक पाकिस्तान के पास भी हैं, लेकिन पाकिस्तानी टीम का नेट रन रेट भारत से बहुत कम है। इसी वजह से टीम इंडिया नंबर–1 पर है, जबकि पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। नीदरलैंड एक जीत के साथ तीसरे नंबर पर है। इ्र और नामीबिया शुरुआती दोनों मैच हार गई हैं।

ईशान किशन को इंपैक्ट प्लेयर का अवॉर्ड, नामीबिया के खिलाफ 24 गेंद में बनाए 61 रन

विकेटकीपर–बल्लेबाज ईशान किशन को भारत–नामीबिया मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया के इंपैक्ट प्लेयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। गुरुवार को दिल्ली में खेले गए टी–20 वर्ल्ड कप 2026 के मैच में ईशान ने सिर्फ 24 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस विस्फोटक शुरुआत की बदौलत भारत ने 200 से ज्यादा का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

पावरप्ले में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर

ईशान ने पावरप्ले के आखिरी ओवर में जेजे स्मिट के एक ओवर से 28 रन बटोरे। पहली गेंद डॉट रहने के बाद उन्होंने अगली पांच गेंदों पर चार छक्के और एक चौका जड़ा। भारत ने पहले 6 ओवर में 1 विकेट पर 86 रन बनाए, जो टी–20 इंटरनेशनल में भारत का तीसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में भारत ने 95/1 और हाल ही में गुवाहाटी में न्यूजीलैंड के खिलाफ 94/2 का स्कोर बनाया था।

20 गेंदों में अर्धशतक

ईशान किशन ने 20 गेंदों में फिफ्टी पूरी की, जो टी–20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए संयुक्त रूप से पांचवीं सबसे तेज अर्धशतक है। इस सूची में शीर्ष पर युवराज सिंह की 12 गेंदों की ऐतिहासिक पारी है।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-वर्ल्ड कप मुकाबले में अर्शदीप की जगह इस गेंदबाज को उतारे भारत: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर को उम्मीद है कि रविवार को कोलंबो में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप मैच में भारतीय टीम तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जगह लेग स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम एकादश में शामिल करेगी। नामीबिया के बल्लेबाजों ने गुरुवार को अर्शदीप की जमकर धुनाई की और उन्होंने अपने कोटे के 4 ओवर भी पूरे नहीं किए।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, हमारे सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए। अर्शदीप ने अपने चार ओवर पूरे नहीं किए, जबकि शिवम दुबे ने दो ओवर और हार्दिक ने अपना कोटा पूरा किया। इससे संकेत मिलता है कि कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह ले सकते हैं। श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए मददगार हैं और भारत का तीन स्पिनरों के साथ खेलने का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव किये। उन्होंने कहा, हार्दिक ने पहला ओवर किया जिससे संकेत मिलता है कि अर्शदीप पाकिस्तान के खिलाफ शायद नहीं खेलेंगे। वरुण चक्रवर्ती ने केवल दो ओवर फेंके और अगर उन्होंने अपने पूरे चार ओवर फेंके होते तो वह पांच या छह विकेट ले लेते।

गावस्कर ने कहा, वरुण की सबसे अच्छी बात यह है कि जब भी उसे गेंदबाजी करने के लिए कहा जाता है, वह विकेट लेता है। अक्षर पटेल ने तीन ओवर में दो विकेट लिए, यह अच्छा संकेत है। गावस्कर ने इसके साथ ही कहा कि अस्वस्थ अभिषेक शर्मा की जगह अंतिम एकादश में बल्लेबाज के रूप में शामिल किए गए संजू सैमसन को क्रीज से काफी दूर जाकर खेलने में परेशानी हो रही है।

मेस्सी चोटिल

इंटर मियामी के पहले मैच में खेलना संदिग्ध

फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका) (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया है जिसके कारण उनका इंटर मियामी की तरफ से एमएलएस कप में 21 फरवरी को एलएएफसी के खिलाफ होने वाले सत्र के पहले मैच में खेलना संदिग्ध है।

इंटर मियामी की टीम ने बुधवार को मेस्सी के चोटिल होने के बारे में जानकारी दी। एमएलएस के लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी मेस्सी ने पिछले सप्ताहांत इक्वाडोर में सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल किया, लेकिन दूसरे हाफ के लगभग 12 मिनट बाद उन्हें संभवत: हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा था। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस की प्रगति पर निर्भर करेगी।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच से पहले टीम इंडिया की बढ़ी मुश्किलें, ये हैं 4 अहम वजहें

कोलंबो (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला महामुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला हमेशा की तरह ही हाई-वोल्टेज रहने वाला है और इस बार भी राजनीतिक विवादों और कुछ देशों की बॉयकॉट की धमकियों के बीच यह मैच चर्चा में रहा। हालांकि, अब मैच तय हो चुका है और दोनों टीमें इस बड़े मुकाबले की तैयारी में जुटी हैं। लेकिन टीम इंडिया के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं, जो इस मुकाबले में उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। आइए विस्तार से देखें चार बड़ी वजहें जिनकी वजह से टीम इंडिया मुश्किल में दिख रही है।

अभिषेक शर्मा की फिटनेस पर सवाल

टीम इंडिया के विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा पिछले कुछ समय से पेट की समस्या यानी स्टमक इंफेक्शन से जूझ रहे हैं। पहले मैच के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था, जिसके कारण वह नामीबिया के खिलाफ मैच नहीं खेल पाए। फिलहाल वह अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं,

लेकिन टीम मैनेजमेंट उनकी वापसी को लेकर सतर्क है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी संकेत दिए हैं कि अभिषेक शर्मा को पूरी तरह खेलने में अभी कुछ और समय लग सकता है। अगर वे पाकिस्तान के खिलाफ भी नहीं खेल पाए, तो टीम का ओपनिंग संयोजन कमजोर हो सकता है।

रिंकू सिंह का खराब फॉर्म– टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर फिनिशर रिंकू सिंह इस टूर्नामेंट में अपनी ताकत दिखाने में असफल रहे हैं।

पहले मैच में उन्होंने 14 गेंदों पर सिर्फ 6 रन बनाए, और दूसरे मैच में 6 गेंदों पर केवल 1 रन ही बना पाए।

पावरप्ले में गेंदबाजी की कमजोरी

नामीबिया ने पावरप्ले में भारत के गेंदबाजों का सामना करते हुए तेज शुरुआत की थी। पहले 6 ओवर में भारत को केवल 1 विकेट पर 57 रन गंवाने पड़े। पावरप्ले में रन लुटना टीम को शुरुआती झटका देता है। पाकिस्तान के ओपनर्स आक्रामक खिलाड़ी हैं और पावरप्ले में ही उनका पलड़ा भारी हो सकता है। इसलिए टीम इंडिया के गेंदबाजों को शुरुआती ओवरों में नियंत्रण और रणनीति का ध्यान रखना जरूरी होगा।

टीम इंडिया के लिए संभावित समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर भारत इन चार प्रमुख चुनौतियों पर ध्यान दे, तो वे पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला बेहतर खेल सकते हैं।

स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ कमजोरी

नामीबिया के खिलाफ मैच में भारत ने 209 रन बनाए, लेकिन मिडिल ओवरों में स्पिन गेंदबाजों के सामने भारतीय बल्लेबाज फंसते नजर आए। बर्नार्ड शोल्ट्ज और गेरहार्ड इरास्मस जैसे स्पिनरों ने महत्वपूर्ण विकेट चटकाए और टीम को रन बनाने में परेशानी हुई। पाकिस्तान के पास भी मजबूत स्पिन अटैक है और कोलंबो की पिच स्पिन के अनुकूल मानी जाती है। ऐसे में अगर टीम इंडिया मिडिल ओवरों में स्पिनरों के खिलाफ संघर्ष करती रही, तो पाकिस्तान के लिए बड़ा स्कोर बनाना आसान हो सकता है।

ईशान किशन ने लिस्ट में बनाई जगह

टी20 वर्ल्ड कप सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले टॉप 5 भारतीय बल्लेबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ईशान किशन ने नामीबिया के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाज़ी कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज़ फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज़ों की खास सूची में शामिल हो गए। उनकी 24 गेंदों पर 61 रन की तूफानी पारी ने मैच का रुख शुरुआती ओवरों में ही भारत की ओर मोड़ दिया।

भारत के लिए सबसे तेज फिफ्टी की एलीट लिस्ट में ईशान – टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ डरबन में सिर्फ 12 गेंदों में फिफ्टी जड़ी थी। उसी टूर्नामेंट में उन्होंने

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 गेंदों में भी अर्धशतक बनाया था। इसके बाद केएल राहुल ने 2021 में स्कॉटलैंड के खिलाफ 18 गेंदों में पचासा ठोका। रोहित शर्मा ने 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की। अब ईशान किशन ने 2026 में नामीबिया के खिलाफ 20 गेंदों में फिफ्टी पूरी कर इस प्रतिष्ठित सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

12 - युवराज सिंह बनाम इंग्लैंड, डरबन, 2007
18 - केएल राहुल बनाम स्कॉटलैंड, दुबई, 2021
19 - रोहित शर्मा बनाम ऑस्ट्रेलिया, ग्रोस आइलेट, 2024
20 - युवराज सिंह बनाम ऑस्ट्रेलिया, डरबन, 2007
20 - ईशान किशन बनाम नामीबिया, दिल्ली, 2026

नामीबिया के खिलाफ 61 रन की आक्रामक पारी – ईशान किशन ने अपनी पारी की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने पावरप्ले का भरपूर फायदा उठाते हुए गेंदबाज़ों पर दबाव बनाया। महज़ 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करने के बाद भी उनका आक्रामक अंदाज जारी रहा। उन्होंने कुल 24 गेंदों पर 61 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे।

उनका स्ट्राइक रेट 250 से अधिक रहा, जो टी20 क्रिकेट में किसी भी बल्लेबाज़ के लिए बेहद प्रभावशाली माना जाता है।

पावरप्ले में मैच पर पकड़– ईशान किशन की इस पारी की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि उन्होंने शुरुआती छह ओवरों में ही नामीबिया के गेंदबाज़ों को बैकफुट पर ला दिया। तेज शुरुआत के कारण भारत को मजबूत प्लेटफॉर्म मिला और मध्यक्रम के बल्लेबाज़ों पर दबाव कम हो गया।

ऑस्ट्रेलिया 170 का टारगेट नहीं चेज कर सका, 2007 डब्ल्यूसी में भी हरा चुका है जिम्बाब्वे

टी-20 वर्ल्डकप में उलटफेर, जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

प्रेमदासा। टी-20 वर्ल्ड कप में पहला उलटफेर देखने को मिला है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन के अंतर से हराया। टीम ने दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्डकप में हराया है। उसने 19 साल पहले 2007 में भी ऑस्ट्रेलियन को लीग राउंड में हराया था।

कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया 19.3 ओवर के बाद 146 रन पर ऑलआउट हो गई। ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैट रेनशॉ की फिफ्टी, डेविड-ग्रीन जीरो पर आउट

टारगेट चेज कर रहे मैट रेनशॉ (65 रन) ने फिफ्टी लगाई। ग्लेन मैक्सवेल ने 31 रन बनाए। मार्कस स्टोयनिस (6) ट्रैविस हेड (17) और जोश इंग्लिस (8) खास प्रदर्शन नहीं कर सके। टिम डेविड और कैमरन ग्रीन का खाता भी नहीं खुला। जिम्बाब्वे के लिए मुजरबानी के अलावा, इवांस को 3 विकेट मिले।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026

ग्रुप B पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	पॉइंट्स	नेट रन रेट
श्रीलंका	2	2	0	4	3.125
जिम्बाब्वे	2	2	0	4	1.984
ऑस्ट्रेलिया	2	1	1	2	1.1
आयरलैंड	2	0	2	0	-2.175
ओमान	2	0	2	0	-4.306

ताशिंगा मुसेकिवा- मार्कस स्टोयनिस का बेहतरीन डाइविंग कैच पकड़ा। स्टोयनिस 6 रन बनाकर आउट हुए और कंगारू टीम रन चेज में बिखर गई।

इस वर्ल्डकप में पहला उलटफेर

क्या लीग राउंड से बाहर हो जाएगा ऑस्ट्रेलिया

ग्रुप बी के पॉइंट्स टेबल की मौजूदा स्थिति में ऑस्ट्रेलिया की टीम तीसरे नंबर पर है। उसने 2 में से एक मैच गंवा दिया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास 2 अंक हैं। अब कंगारुओं को अगले दौरे में जाने के लिए श्रीलंका और ओमान से मैच जीतने होंगे। साथ ही श्रीलंका और जिम्बाब्से के एक-एक मैच हारने की कामना करनी होगे।

जिम्बाब्वे से ब्रायन बेनेट ने फिफ्टी लगाई

जिम्बाब्वे से ब्रायन बेनेट ने 56 बॉल पर नाबाद 64 रन बनाए। यह उनका टी-20 वर्ल्ड कप में पहला और टी-20 इंटरनेशनल में ओवरऑल 11वां अर्धशतक है। उनके अलावा तादिवानाशे मारुमनी और रयान बर्ल ने 35-35 रन की पारी खेली। कप्तान सिकंदर रजा ने 13 बॉल पर नाबाद 25 रन बनाए। ऑस्टेलिया के लिए मार्कस स्टोयनिस और कैमरन ग्रीन को 1-1 विकेट मिला।

पीएसएल में इस बार नजर नहीं आयेंगे अफगान खिलाड़ी

कराची। पाकिस्तान प्रीमियर लीग में इस बार अफगानिस्तान के खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे। अफगान खिलाड़ियों ने पाक लीग में खेलने से इंकार करते हुए अपने नाम वापस ले लिये हैं। पीएलएल टीम के प्रमोट ने कहा है कि अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, सेद्दीकुल्लाह अटल, मुहम्मद नबी, वकार सलामखेल, फजल हक फारूकी जैसे खिलाड़ियों ने लाहौर में हुई नीलामी के लिए पंजीकरण कराया था पर बाद में नाम वापस ले लिया। पेशावर जालमी के अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज को सीधे साइन करने पर हुए विरोध को देखते हुए अफगान खिलाड़ियों ने नाम वापस लिए हैं। वहीं पीएसएल के मुख्य कार्यकारी सलमान नसीर ने कहा है कि अफगानिस्तान के कुछ खिलाड़ी पीएसएल में खेलना चाहते थे पर किसी फ्रैंचाइज़ी ने उन्हें नहीं खरीदा। नसीर ने कहा, निलामी में कुछ अफगानिस्तान के खिलाड़ी थे पर वे नहीं बिके। नसीर ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध खराब होने का प्रभाव नीलामी पर भी दिखा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच खराब संबंधों के कारण जालमी ने जब गुरबाज को को खरीदा तो काफी उग्र प्रतिक्रिया हुई। इसलिए दूसरे खिलाड़ियों ने भी इससे बचने नाम वापस ले लिया होगा। पिछले कुछ समय में दोनो देशों के बीच तनाव रहा है जिसके बाद पाक ने अफगानिस्तान पर हवाई हमला भी किया था। अफगान खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया में पाक की कड़ी आलोचना की थी।

ब्रीफ न्यूज़

औली में नेशनल विंटर गेम्स का शुभारंभ

औली। उत्तराखंड के औली में पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार को औली विंटर कार्निवल 2026 का उदघाटन किया। इस दौरान स्थानीय लोक संस्कृति की प्रस्तुतियां दी गई। पर्यटन केंद्र औली में विंटर कार्निवल अगले तीन दिनों तक चलेगा। इस दौरान यहां की विश्व प्रसिद्ध ढलनों में तरह-तरह के बर्फीले खेलों का आयोजन होगा।

विंटर कार्निवल का उद्घाटन करने के दौरान महाराज ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य आध्यात्मिक चेतना और साहसिक संभावना का संगम है। समुद्र तल से 2500 से 3050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित औली अपनी विस्तृत प्राकृतिक ढलनों और देवदार के वनों तथा नंदा देवी कामेंट और माणा जैसे हिमालयी शिखरों के कारण भारत का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। जहां की भौगोलिक संरचना और अनुकूल जलवायु इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के अनुकूल बनाती हैं।

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं : सूर्यकुमार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक अभी तक अपने पेट के संक्रमण से पूरी तरह से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अभिषेक का 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है पर अभी भी वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी कहा है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए है और इस कारण हो सकता है कि उन्हें एक दो मैचों से दूर रहना पड़े। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द के चलते दो दिन तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इसी कारण व अस्पाल से छुट्टी मिलने के बाद भी अभ्यास के लिए नहीं उतर पाये क्योंकि उन्हें कमजोरी लग रही है। उनका थोड़ा भी कम हुआ है। पेट के संक्रमण से उबरने के बाद पूरी तरह ठीक होकर शीर्ष स्तर पर खेलने में उन्हें कुछ समय जरुर लगेगा।

सूर्यकुमार ने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं.' कोलंबो में उनका अभ्यास सेशन यह बताएगा कि वह किस हालत में हैं। अगर वह नेट्स में सामान्य तरीके से ज्यादा देर तक बल्लेबाज करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र को देखें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में करीब 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं। पाक के खिलाफ अभिषेक अगर नहीं खेल पाते हैं तो ईशान किशन के साथ एक बार फिर पारी शुरु करने की जिम्मेदारी संजू सैमसन को मिलेगी।

युएई ने नीदरलैंड को टी-20 में पहली बार हराया

93 रन से जीता मैच; साईतेजा मुक्कामल्ला की फिफ्टी

चेन्नई। यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पहली जीत दर्ज की है। उसने ग्रुप ए के मैच में नीदरलैंड को 93 रन से हराया। अमेरिका ने नीदरलैंड को टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार हराया है।

हरमीत सिंह ने 4 विकेट झटके

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में शुक्रवार के तीसरे मैच में 197 रन का टारगेट चेज कर रही नीदरलैंड की टीम 15.5 ओवर में 103 रन पर ऑलआउट हो गई। हरमीत सिंह ने 4 विकेट झटके। शैडली वान शाल्कविक ने 3 और मोहम्मद मोहसिन ने 2 विकेट लिए। इससे पहले टॉस हारकर बैटिंग कर रही अमेरिकी टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 196 रन बनाए। साईतेजा मुक्कामाला ने 79 रन बनाए। जबकि कप्तान मोनांक पटेल ने 36 रन बनाए। बास डी लीडे ने 3 विकेट झटके। लोगन वान बीक, फ्रेड क्लासन और काइल क्लीन ने एक-एक विकेट झटके। मैच का स्कोरकार्ड युएई तीसरे नंबर पर आया

पहली जीत के साथ युएई की टीम ग्रुप ए के पॉइंट्स टेबल के तीसरे स्थान पर आ गई है। टीम के पास 3 मैचों में दो अंक हैं। इतने ही अंक, नीदरलैंड के पास हैं, लेकिन डच टीम का नेट रन रेट रु से कम है। भारत 4 अंक ल लैंड 103 पर आउट, युएइ 93 रन से जीता 16वें ओवर की 5वीं बॉल पर नीदरलैंड ने आखिरी विकेट गंवाया। यहां फ्रेड क्लासन को शैडली वान शाल्कविक ने मिलिंद कुमार के हाथों कैच कराया। उन्हें तीसरा विकेट मिला। शाल्कविक को भी दूसरा विकेट, आर्यन दत्त को बोल्ड किया

14वें ओवर में नीदरलैंड ने 9वां विकेट गंवाया। यहां पर शैडली वान शाल्कविक ने आर्यन दत्त (9 रन) को बोल्ड कर दिया। उन्होंने कॉलिन एकरमैन (जीरो) को कैच आउट कराया।

मोहसिन को दूसरा विकेट, वान बीक आउट

13वें ओवर में नीदरलैंड ने 8वां विकेट गंवाया। यहां पर लोगन वान बीक (2 रन) को मोहम्मद मोहसिन ने बोल्ड कर दिया। उन्हें दूसरा विकेट मिला है। मोहसिन ने जैक लायन-कैशेट (6 रन) को भी आउट किया।

हरमीत को चौथा विकेट

हरमीत सिंह ने चौथा विकेट ले लिया है। उन्होंने 12वें ओवर की चौथी बॉल पर रूलोफ वान डर मर्व (10 रन) को कर दिया। उन्होंने कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स (20 रन), बास डी लीडे (23 रन) और मैक्स ओ'डाउड (13 रन) को भी आउट किया।

रियान पराग राजस्थान रॉयल्स के नए कप्तान होंगे

दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स की टीम ने ऑलराउंडर रियान पराग को टीम का अगला कप्तान नियुक्त किया है। यह फैसला संजू सैमसन के चेन्नई सुपर किंग्स में चले जाने के बाद लिया गया है। 2026 के लिए हुए आईपीएल के मिनी ऑक्शन से पहले संजू सैमसन ट्रेड विंडो के जरिये सीएसके में चले गए थे। सीएसके ने इसके बदले रवींद्र जडेजा और सैम करन जैसे दो ऑलराउंडर राजस्थान रॉयल्स को दिया था। 24 साल के रियान पराग पिछले सात सीजन से राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे। संजू सैमसन ने पिछले सीजन के बाद फ्रेंचाइजी छोड़ने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद टीम मैनेजमेंट ने भविष्य को देखते हुए पराग पर भरोसा जताया है।पिछले साल 8 मैचों में कप्तानी कर चुके हैं पराग रियान पराग के लिए कप्तानी का अनुभव नया नहीं है। आईपीएल 2025 के दौरान जब संजू सैमसन चोट की वजह से 8 मैचों से बाहर रहे थे, तब पराग ने ही टीम की कमान संभाली थी।

राजस्थान रॉयल्स स्क्वॉड

चन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मैचों की इजाजत

कर्नाटक सरकार ने शर्तों के साथ दी मंजूरी

कर्नाटक। कर्नाटक सरकार की कैबिनेट ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएलमैच आयोजित करने की मंजूरी दे दी है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इसकी जानकारी ङ्ग पर दी है। कुछ शर्तों के साथ आईपीएल मैच कराए जाएंगे। टिकटिंग, भीड़ नियंत्रण और स्टेडियम में प्रवेश से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने,एक्स पर इसकी जानकारी दी शिवकुमार ने ङ्ग पर पोस्ट करते हुए लिखा , बेगंलुरु और कर्नाटक के क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर हैं। खेल और उसके प्रशंसकों के हित में कैबिनेट ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल मैचों की अनुमति देने का फैसला लिया है। जबकि सार्वजनिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा रिपोर्ट की सिफारिशों को सख्ती से लागू किया जाएगा। जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ मैनेजमेंट ने किया भद्दा मजाक

पाकिस्तान। कोच ने पाकिस्तान के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन घंटों तक इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया। इस दौरान न खिलाड़ियों को आराम करने की कोई व्यवस्था मिली और न ही खाने-पीने का इंतजाम हो पाया।

क्या आपने कभी सुना है कि किसी स्पोर्ट्स बोर्ड या किसी फेडरेशन ने अपने खिलाड़ियों के होटल में रहने का बिल ही न चुकाया हो और उसकी वजह से खिलाड़ियों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा हो? अगर नहीं सुना है, तो आज जान लीजिए। यह किसी और के साथ नहीं, बल्कि पाकिस्तान की हॉकी टीम के साथ हुआ है। पाकिस्तान की हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे चरण के लिए पहुंची है, जहां उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। इसी दौरान उनके साथ एक ऐसी घटना हुई, जिससे सभी खिलाड़ियों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा।

बिना बुकिंग होटल पहुंचे खिलाड़ी

पाकिस्तान हॉकी बोर्ड और पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने अपने खिलाड़ियों को बताया था कि उनके लिए चार सितारा होटल की बुकिंग की गई है, लेकिन जैसे ही खिलाड़ी अपने होटल पहुंचे, वहां के मैनेजर ने साफ कह दिया कि न तो कोई बुकिंग हुई है और न ही किसी तरह का पेमेंट किया गया है। इसके बाद लगभग चार घंटे तक खिलाड़ी सड़कों पर भटकने को मजबूर रहे।

इटली में अल्पाइन स्कीइंग महिला सुपर जी में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेता इटली की फेडरिका, फ्रांस की रोमाने वह अस्ट्रिया की कोरनिलीया।

आर्यांश शर्मा और सोहैब खान की फिफ्टी, जुनैद सिद्दीकी को 5 विकेट

यूएई ने खोला जीत का खाता कनाडा को 5 विकेट से हराया

दिल्ली। सलामी बल्लेबाज आर्यश शर्मा और सोहेब खान के अर्धशतकों की मदद से यूएई ने ग्रुप डी के मुकाबले में कनाडा को हराकर टी20 विश्व कप में जीत का खाता खोला। कनाडा ने हर्ष ठाकर के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में सात विकेट पर 150 रन बनाए। जवाब में यूएई ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 151 रन बनाकर मैच जीत लिया। यूएई की जीत में आर्यश और सोहेब का योगदान अहम रहा।

एक समय लड़खड़ा गई थी यूएई की पारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए यूएई की पारी एक समय लड़खड़ा गई थी और उसके लिए स्कोर चेज कर पाना मुश्किल लग रहा था। यूएई ने 66 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद आर्यश और सोहेब के बीच पांचवें विकेट के लिए 42 गेंदों पर 84 रनों की साझेदारी हुई जिससे यूएई वापसी करने में सफल रहा। यूएई को आखिरी ओवर में जीत के लिए आठ रन चाहिए थे। पहली गेंद पर आर्यश ने छक्का लगाया, जबकि दूसरी गेंद पर एक रन लिया। तीसरी गेंद पर सोहेब अपना विकेट गंवा बैठे। सोहेब 29 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुए।

यूएई की टीम हालांकि, जीत दर्ज करने में सफल रही

आर्यंश नाबाद पवेलियन लौटे। आर्यंश ने 53 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 74 रन बनाए। आर्यंश और सोहेब के अलावा अलीशान शराफु ने पांच, हर्षित कौशिक ने पांच, मोहम्मद वसीम ने चार और मयंक कुमार ने चार रनों का योगदान दिया। कनाडा के लिए साद बिन जफर ने तीन विकेट झटके, जबकि कलीम सना और जसकरण सिंह को एक-एक विकेट मिला।

अफगानिस्तान से आगे निकला यूएई

यूएई की जीत से ग्रुप डी की अंक तालिका में बड़ा फेरबदल हुआ है। यूएई की टीम अफगानिस्तान से आगे निकल गई है जिससे सुपर आठ चरण की दौड़ दिलचस्प हो गई है। यूएई की टीम तीसरे स्थान पर है, जबकि अफगानिस्तान की टीम चौथे स्थान पर खिसक गई है और उसके लिए अगले दौर में पहुंचना कठिन होता जा रहा है। ग्रुप डी में न्यूजीलैंड की टीम दोनों मैच जीतकर शीर्ष पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम दूसरे स्थान पर है।

जिला पंचायत सीईओ ने योजनाओं की प्रगति का लिया जायजा, समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रेमलता पद्माकर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा ने बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड अंतर्गत पेंड्री एवं धोबानोखुर्द ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं हितग्राहियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कार्यों की समीक्षा-निरीक्षण के दौरान सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत स्वीकृत आवासों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने हितग्राहियों को निर्देशित किया कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य 30 मार्च से पहले पूर्ण किया जाए। जिन लाभार्थियों द्वारा अभी तक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि निर्धारित समय सीमा में कार्य प्रारंभ नहीं होने की स्थिति में संबंधित एसडीएम कार्यालय द्वारा नोटिस जारी किया जाएगा तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत समूह गतिविधियों की समीक्षा-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यों का निरीक्षण करते हुए सीईओ ने स्व-सहायता समूह (सात) की महिलाओं के साथ बैठक की। बैठक में ग्राम पंचायत स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नर्सरी स्थापना की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा कृषि एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण कर उनकी सराहना की गई और उन्हें आगे और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्रामीणों से योजनाओं का लाभ लेने की अपील-सीईओ ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लें और अपने आवास निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इस अवसर पर जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारी, संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

फटाका विस्फोटक सामान कुल 57 पैकेट जुमला कीमती करीबन 40,000/- रूपये जप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार स्थायी वारंटियो, सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों, यातायात नियमो का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों तथा माईनर एक्ट के तहत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही लगातार की जा रही है। इसी क्रम में बीते शुक्रवार को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस को जरिये मुखबीर सूचना मिला कि सैय्यद बहादुर अली अपने बाजार पारा बेमेतरा में स्थित अली कलेक्शन नामक दुकान में अवैध रूप से विस्फोटक पदार्थ फटाका रखकर बिक्री कर रहा है कि सूचना पर थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम मौके पर दुकान बाजार पारा बेमेतरा में जाकर रेड कार्यवाही के दौरान सैय्यद बहादुर अली उम्र 66 वर्ष साकिन वार्ड नंबर 21 बाजार पारा बेमेतारा मिला जो विस्फोटक पदार्थ फटाका बिक्री हेतु अपने अली कलेक्शन दुकान में रखना स्वीकार किया एवं अपने दुकान में रखे फटाका विस्फोटक पदार्थ (1) 12 शाट 10 पैकेट (2) स्वीट ड्रीम 02 पैकेट (3) गोल्डन स्काई 01 पैकेट (4) गोल्डन स्टार 02 पैकेट (5) स्काई रंगोली 03 पैकेट (6) 15 शाट पपजी 01 पैकेट (7) 25 शाट गुरुस्वामी 03 पैकेट (8) 15 शाट सोनी 03 पैकेट (9) नेक्स जेन 30 शाट 07 पैकेट (10) फादर 30 शाट 02 पैकेट (11) ब्लूग 30 शाट 02 पैकट (12) लव टूडे 01 पैकेट (13) सन 60 शाट 02 पैकेट (14) सन साईन पापसो 02 पैकेट (15) जोकर 10क्क02 पैकेट (16) चिमा 2000 एक पैकेट (17) रीया 2000 एक पैकेट (18) 2च्च एक पैकेट (19) रेड थनडर 1000 ग्यारह पैकेट कुल 57 पैकेट जुमला कीमती 40,000/रूपये को पेश किया। उपरोक्त विस्फोटक पदार्थ फटाका कुल 57 पैकेट जुमला कीमती 40.000/ रुपये को जप्त किया गया। आरोपी सैयय्द बहादुर अली पिता स्व. कासम अली उम्र 66 वर्ष साकिन वार्ड नंबर 21 बाजार पारा बेमेतरा थाना व जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 9 (ख) विस्फोटक अधिनियम विस्फोटक अधिनियम 1884, 288 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत कार्यावाही की गई हैं।उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला सहित थाना बेमेतरा के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सीईओ जिला पंचायत ने किया एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर का निरीक्षण, महिलाओं की आय बढ़ाने पर दिया जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों को सशक्त बनाने की दिशा में विकासखंड नवागढ़ के 8 गांवों के लगभग 650 किसानों को जोड़कर एकीकृत फार्मिंग क्लस्टर का गठन किया गया है। इस क्लस्टर के अंतर्गत धोबनी खुर्द ग्राम पंचायत में आजीविका सेवा केंद्र की स्थापना की गई है।इस परियोजना के संचालन एवं गतिविधियों का निरीक्षण जिला पंचायत बेमेतरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि आधारित आजीविका से जुड़ी महिलाओं के बाड़ी (घरेलू पोषण वाटिका) में संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली गई। साथ ही ग्राम को लखपति ग्राम बनाने के लिए चयनित कर विशेष रणनीति के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

सब्जी उत्पादन, पशुपालन और डेयरी गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावा-निरीक्षण के दौरान गांव में बाड़ी विकास के अंतर्गत सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने, पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों को मजबूत करने के लिए विभागीय समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।इसके साथ ही नर्सरी तैयार कर गुणवत्तायुक्त पौध उपलब्ध कराने तथा किसानों और समूहों द्वारा उत्पादित उत्पादों को बाजार में उचित मूल्य दिलाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

लखपति ग्राम निर्माण हेतु सतत आजीविका पर फोकस-ग्राम को लखपति बनाने की दिशा में सतत आजीविका गतिविधियों को बढ़ाने, विभिन्न विभागीय योजनाओं का अभिसरण करने, रिचार्ज पिट निर्माण जैसे जल संरक्षण कार्यों को बढ़ावा देने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए 7 इस निरीक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम में जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीणों को अधिकतम लाभ पहुंचाने हेतु समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए।

छत्तीसगढ़ में यादव समाज की नई परंपरा की शुरुआत, झेरिया एवं कनौजिया यादव शाखा में विवाह संपन्न

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में यादव समाज के 12 भागों में विभाजित विभिन्न शाखाओं के बीच एकता को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल देखने को मिली। झेरिया यादव शाखा एवं कनौजिया यादव शाखा के बीच विवाह संपन्न कराते हुए छत्तीसगढ़ सर्व यादव समाज में एकता की मिसाल प्रस्तुत की गई। यह विवाह कार्यक्रम यादव समाज में नई परंपरा की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।12 फरवरी 2026 को ग्राम गगौरी में संपन्न हुआ।इस शुभ विवाह आयोजन को झेरिया यादव समाज छत्तीसगढ़ के जिलाअध्यक्ष प्रदीप यादव एवं कोमल यादव के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ जनों,युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहे।

वर कोमल यादव, पिता पारस यादव, ग्राम गगौरी, तहसील बिलाईगढ़, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, झेरिया यादव समाजवधू रीना यादव, पिता दशरथ यादव, ,कनौजिया यादव समाज,इस विवाह को समाज में एकता, भाईचारे एवं सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया जा रहा है। उपस्थित लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया और कहा कि इससे यादव समाज में संगठनात्मक मजबूती एवं पारस्परिक संबंधों में वृद्धि होगी।समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज के विभिन्न वर्गों में दूरी कम होगी और छत्तीसगढ़ में यादव समाज की एकजुटता को नई दिशा मिलेगी।

यह विवाह आयोजन छत्तीसगढ़ सर्व यादव समाज में एकता की मजबूत मिसाल बना।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में अवैध गौण खनिज परिवहन पर कार्रवाई, 4 हाईवा जब्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

में गौण खनिज के अवैध परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए दो दिनों में चार हाईवा वाहनों को जब्त किया है। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देश एवं खनि अधिकारी बजरंग पैकरा के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।खनिज विभाग को संचार माध्यम से प्राप्त सूचना के आधार पर खनिज अमले ने आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया। शुक्रवार को क्षेत्र में गौण खनिज का अवैध परिवहन करते पाए गए दो हाईवा वाहनों को जब्त कर थाना भटगांव के सुपुर्द किया गया।इसी क्रम में शनिवार को क्षेत्र में भी दो हाईवा वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इन वाहनों को अवैध रूप से गौण खनिज परिवहन करते हुए पकड़ा गया, जिन्हें जब्त कर थाना सारंगढ़ में खड़ा कराया गया है।खनिज विभाग के अनुसार यह कार्रवाई खनिज नियम 2015 एवं खनिज अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सेमरा नदी से धड़ल्ले से जारी है बालू का अवैध खनन, जिम्मेदार बेपरवाह

पुसौर /मूक पत्रिका

जनपद पंचायत पुसौर के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सेमरा में बिना अनुमति अवैध रूप से रेत तस्करी का काम धड़ल्ले से चल रहा है मिली जानकारी के अनुसार ट्रैक्टरों के माध्यम से रेत परिवहन बगल के उद्योग में खपाए जाने के बाद सामने आ रही है इस नदी से प्रतिदिन 100 से 150 ट्रैक्टर प्रतिदिन बालू निकाला जा रहा है घाट मे उपस्थित लेबरों के द्वारा बताया गया कि हम लोग ट्रैक्टर लोड करने का 400 रूपये लेते है व ट्रैक्टर मालिक ग्राम पंचायत को प्रति ट्रिप ?50 देते है आश्चर्य के बाद यह है कि रेत माफिया पर लगातार कार्यवाही करने का दंभ भरने वाले खनिज विभाग के अधिकारी जान कर भी अनजान बने हुए है यदा कदा कुछ ट्रैक्टरों को पड़कर कार्यवाही करने वाला खनिज विभाग भले ही अवैध रेत खनन पर लगातार कार्यवाही करने की बात कह कर अपनी पीठ स्वयं थपथपा रही है लेकिन सच्चाई यह है कि अवैध रेत माफिया अवैध रूप भारी मात्रा मे रेत खनन किया जा रहा है चौंकाने वाली बात यह है कि तकरीबन 2 साल से नदी में अवैध रूप से रेत खनन किया जा रहा है परंतु इसकी जानकारी खनिज विभाग के अधिकारियों को होने के बावजूद किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं करना समझ से परे है बहरहाल यह देखना लाजमी होगा कि खनिज विभाग के अधिकारी इस मामले में क्या और किस प्रकार की कार्यवाही करते हैं सोचने योग्य बातें यह है कि बिना गांव के सरपंच के जानकारी के अवैध उत्खनन नामुमकिन है? क्या कहते हैं सरस्वती गुलाबराम डंगसेना सरपंच ग्राम पंचायत सेमरा = हमने दूरभाष के माध्यम से ग्राम पंचायत सेमरा के सरपंच से अवैध बालू खनन की जानकारी चाही तो सरपंच का कहना है कि मुझे अवैध रेत खदान संबंधित कोई जानकारी नहीं है वह रेत कहां जा रहा है वह भी मुझे पता नहीं है फिर हमने प्रति ट्रिप ?50 लेने की बात पूछी तो सरपंच का कहना है कि पंचायत वाले हम लोग कोई पैसा नहीं लेते हैं और उन्होंने यह भी बताया कि ?50 प्रति ट्रिप गांव वाले लेते हैं कहकर सरपंच मैं अपना पल्ला झाड़ लिया

केशकाल में शिक्षक सदन निर्माण की घोषणा, शिक्षक मिलन समारोह धूमधाम से सम्पन्न

केशकाल /मूक पत्रिका

विकास खंड स्तरीय शिक्षक मिलन समारोहङ्क2026 दुर्गा मंच बहिगाँव में हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षकों का परिचय, खेलकूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं नव पदोन्नत प्राचार्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।आयोजन के प्रमुख केदार जैन ने कहा कि शिक्षकों को तनावमुक्त वातावरण देने तथा उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त किया।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केशकाल विधानसभा क्षेत्र के विधायक नीलकंठ टेकाम ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उनके कलेक्टर कार्यकाल में किसी भी शिक्षक को निलंबित नहीं किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष केदार जैन द्वारा शिक्षक सदन की मांग रखे जाने पर विधायक टेकाम ने एक वर्ष के भीतर शिक्षक सदन निर्माण की घोषणा की। साथ ही उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र के तीनों विकास खंडों में प्रतिवर्ष इस प्रकार के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आयोजन के सह-प्रमुख एवं मंच संचालक लोकेश गायकवाड़ की सराहना करते हुए उन्हें बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया और शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कोण्डागांव कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने समाज की उन्नति में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे एक वर्ष बाद अपनी उपलब्धियों के साथ उन्हें विद्यालय में आमंत्रित करें। उन्होंने आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए आयोजकों को बधाई दी।विशिष्ट अतिथियों में ओमप्रकाश मरकाम (उपाध्यक्ष जनपद पंचायत केशकाल), कपिलकांत नाम (सदस्य जिला पंचायत कोण्डागांव), सरपंच श्रीमती डामेश्वरी रावटे (बहिगाँव), राजेश नेताम (विकास खंड अध्यक्ष), निर्मल शार्दुल (जिलाध्यक्ष शिक्षक संघ कोण्डागांव) एवं खंड शिक्षा अधिकारी सी.एल. मंडावी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निक्षय मित्र बना मरीजों का सहारा, स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारियों की विशेष पहल

साजा ब्लॉक में टीबी मरीज खोजने मितानिनों को किया गया प्रशिक्षित

बेमेतरा/साजा/मूक पत्रिका

बेमेतरा जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेमेतरा जिला को टी बी मुक्त पंचायत बनाने एवं वर्तमान में वृहद स्तर पर टी बी मरीजों की खोज एवं उपचार अभियान चलाया जा रहा है जिसमें मितानिन प्रशिक्षक और मितानिनों को इस अभियान तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है साथ में टी बी मरीजों को पोषण आहार प्रदान करने अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि गण आम जन को जागरूक किया जा रहा है इसी तारतम्य में साजा ब्लॉक में टीबी मरीज खोजने मितानिनों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, प्रशिक्षण कार्यक्रम में टीबी के टीपीटी बीमारी के बचाव के लिए दवाई खाने जानकारी दिया जा रहा हैं, जिसमें राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (ह्रञ्जश्वक्क) के तहत विकासखंड साजा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत सेक्टर साजा में एक सराहनीय एवं मानवीय पहल की जा रही है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर के आदेश पर, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार वर्मा के नेतृत्व में विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी टीबी मरीजों को ÷निक्षय मित्र÷ के रूप में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

ब्लॉक वरिष्ठ उपचार प्रवेक्षक पुरन दास ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल के अंतर्गत टीबी मरीजों को नियमित जांच एवं उपचार के साथ-साथ पोषणयुक्त खाद्य सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। टी बी मरीजों को दवाइयों के साथ संतुलित पोषण आहार मिलने से मरीजों के स्वास्थ्य में अपेक्षित सुधार हो रहा है तथा उपचार पूर्ण करने में सहायता मिल रही है।

इसी क्रम में साजा ब्लॉक में टीबी मरीजों की सक्रिय खोज हेतु सेक्टर अनुसार मितानिनों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जा रहा हैं, ताकि ग्रामीण समुदाय स्तर पर संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उन्हें समय पर जांच एवं उपचार से जोड़ा जा सके।

कार्यक्रम में निलेश देवांगन (प्रभारी सेक्टर अधिकारी), खिलानंद साहू (सुपरवाइजर), बिटावन ठाकुर आरएचओ विमला निर्मल, कविता ध्रुव,नेतराम कन्नौजे,केतन साहू, सूरज साहू, सतीश कुमार, मितानिन प्रशिक्षक रामेश्वरी साहू , गायत्री साहू जगन्नाथ कन्नौजे सीता लोधी सहित विभाग के अन्य स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।